डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

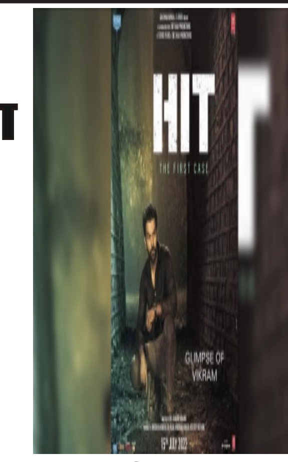

PG-5

सिनेमा- 'बधाई दो' से भी कम रही राजकुमार की फिल्म की ओपनिंग

वर्ष -08 अंक -119 | प्रयागराज, शनिवार 16 जुलाई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के मोंटाना में हाईवे पर भीषण हादसा

मोंटाना। एक के बाद एक आपस में टकराए 20 से ज्यादा वाहन, पांच की मौत मोंटाना हाईवे गश्ती दल के सार्जेंट जे नेल्सन ने 'एमटीएन' न्यूज को बताया कि घटना की सूचना स्थानीय समयानुसार शुक्रवार शाम करीब साढ़े चार बजे मिली और बचाव दल 90 मिनट बाद घटनास्थल पर पहुंचे। अमेरिका में मोंटाना राज्य स्थित इंटरस्टेट 90 हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ है। बताया गया है कि यहां एक के बाद एक कम से कम 20 वाहन आपस में टकरा गए। इससे पांच लोगों की मौत हुई है। वहीं कई अन्य घायल बताए गए हैं। मोंटाना के गर्वनर ग्रेग गियाफोर्ते ने ट्वीट किया, ''मैं हार्डिन के करीब बड़ी संख्या में लोगों के हताहत होने की खबरों से बहुत दुखी हूं। कृपया मेरे साथ पीडितों और उनके प्रियजनों के लिए दुआ कीजिए। हम प्रथम बचावकर्ताओं की उनकी सेवा के लिए आभारी हैं।' केटीवीए न्यूज चैनल के मुताबिक, यह हादसा हार्डिन से पांच किलोमीटर दूर पश्चिम में हुआ। मोंटाना हाईवे गश्ती दल के सार्जेंट जे नेल्सन ने 'एमटीएन' न्यूज को बताया कि घटना की सूचना स्थानीय समयानुसार शुक्रवार शाम करीब साढ़े चार बजे मिली और बचाव दल 90 मिनट बाद घटनास्थल पर पहुंचे। बाइडन ने प्रिंस सलमान से हाथ नहीं मिलाया, मुट्ठियां टकराकर काम चलायाअमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इन दिनों मध्य पूर्व के दौरे पर हैं। उन्होंने एक दिन पहले ही इस्त्राइली पीएम यैर लापिद से ईरान के तेजी से बढ़ रहे एटमी कार्यक्रम पर चर्चा की थी। तुर्की के इस्ताम्बुल में दूतावास के भीतर पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बाद सऊदी अरब को दुनिया में अकेला करने की बात कहने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन सऊदी अरब की यात्रा पर पहुंच गए।

कोरोना ने बढ़ाई चिंता सक्रिय मरीजों की संख्या 1.40 लाख के पार

नई दिल्ली। 56 लोगों की गई जानस्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी शनिवार (16 जुलाई) के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1,40,760 हो गई है जो कि कल की तुलना में 1,687 अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी शनिवार (16 जुलाई) के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1,40,760 हो गई है जो कि कल की तुलना में 1,687 अधिक है।

पत्रकार जमाल खगोशी की हत्या के लिए आप जिम्मेदार

सऊदी। के क्राउन प्रिंस से मुलाकात में ऐसा क्यों बोले अमेरिकी राष्ट्रपति पिछले साल ही बाइडन ने अमेरिकी खुफिया विभाग की एक रिपोर्ट जारी करने की अनुमति दी थी, इसमें कहा गया था कि पत्रकार जमाल खगोशी की हत्या के पीछे सीधे तौर पर क्राउन प्रिंस का ही हाथ है अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इन दिनों पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। इस्राइल यात्रा के बाद वह सऊदी अरब पहुंचे हैं। यहां क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने उनका जोरदार स्वागत किया। क्राउन प्रिंस से बैठक के दौरान बाइडन ने 2018 में पत्रकार जमाल खगोशी की हत्या का मामला उठाया। इस बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा, उनका मानना था कि क्राउन प्रिंस जमाल खगोशी की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। बाइडन ने कहा, क्राउन प्रिंस के साथ बैठक में उन्होंने यह मुद्दा उठाया। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि जमाल खगोशी की हत्या के समय, वह इसके बारे में क्या सोचते थे और अब क्या सोचते हैं। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मानवाधिकार के मुद्दे पर मैं चुप नहीं रह सकता। मैं हमेशा अपने मूल्यों के लिए खड़ा रहूंगा। बाइडन ने कहा, मैनें सीधे तौर पर कहा कि जमाल खगोशी की हत्या के लिए आप जिम्मेदार हैं इस पर क्राउन प्रिंस ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से पत्रकार जमाल खगोशी की हत्या के लिए जिम्मेदार नहीं है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच बड़ा समझौता

नई दिल्ली। बुद्धिजीवी समाज की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए मिलकर करेंगे काम मानवाधिकारों पर 10वें दौर की बैठक में भारत और यूरोपीय संघ ने सभी मानवाधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई भारत और यूरोपीय संघ (इयू) ने शुक्रवार को मानवाधिकारों पर 10वें दौर की बैठक की। इस बैठक में मानवाधिकार रक्षकों और पत्रकारों सहित नागरिक समाज (सिविल सोसाइटी) की स्वतंत्रता, और विविधता की रक्षा करने पर सहमति बनी। सरकार ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेटफॉर्म पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी चर्चा की। भारत और यूरोपीय संघ ने सभी मानवाधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस संदर्भ में, खुले और लोकतांत्रिक समाजों के रूप में दोनों तरफ से मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता पर जोर दिया गया इन मुद्दों पर भी की चर्चा भारत और यूरोपीय संघ ने नागरिक और राजनीतिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों और कमजोर समूहों से संबंधित व्यक्तियों के अधिकारों, धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता , महिला सशक्तिकरण, बच्चों के अधिकार, समलैंगिकों के अधिकारों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा दोनों पक्षों ने प्रवासियों के अधिकार, लोकतंत्र और मानवाधिकारों के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग, सुरक्षा और मानवाधिकारों के मुद्दे, व्यापार , सार्वजनिक स्वास्थ्य में सहयोग, और मानवीय सहायता पर जोर दिया। भारत और यूरोपीय संघ 2023 में अगली मानवाधिकार वार्ता करेंगे भारत और यूरोपीय संघ ने लोकतंत्र, स्वतंत्रता, कानून के शासन और मानवाधिकारों के सम्मान के साझा सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत और यूरोपीय संघ 2023 में अगली मानवाधिकार वार्ता करेंगे।

द्रौपदी मुर्मू की जीत लगभग तय

नई दिल्ली। मिल सकते हैं 61 फीसदी मतराजग उम्मीदवार के पास कुल 10,86,431 मतों में से 6.67 लाख से अधिक मत हैं। इनमें 3.08 लाख वोट सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों के हैं। राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की जीत लगभग तय मानी जा रही है।

बीजद, वाईएसआर कांग्रेस, बसपा, टीडीपी, जदएस, शिरोमणि अकाली दल, शिवसेना और झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे विपक्षी दलों के समर्थन के एलान से माना जा रहा है कि उन्हें 61 फीसदी मत मिल सकते हैं। ऐसे में देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिलने की उम्मीद पुख्ता है। राजग उम्मीदवार के पास कुल 10,86,431 मतों में से 6.67 लाख से अधिक मत हैं। इनमें 3.08 लाख वोट सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों के हैं। बीजद के करीब 32,000 मत हैं, जो कुल मतों का करीब 2.9 प्रतिशत है। ओडिशा की 147 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ बीजद के 114 विधायक हैं, जबकि भाजपा के 22 विधायक हैं। लोकसभा में बीजद के 12 और राज्यसभा में 9 सदस्य हैं। मुर्मू को अनन्द्रमुक (17,200 वोट), वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (करीब 44,000 वोट), तेलुगू देशम पार्टी (करीब 6,500 वोट), शिवसेना (25,000 वोट) और जदएस (करीब 5,600 वोट) का भी समर्थन मिल रहा है। हाल में संपनन्न राज्यसभा चुनावों के परिणाम के बाद उच्च सदन में भाजपा सदस्यों की संख्या 92 हो गई है। लोकसभा में उसके 301 सदस्य हैं स्वतंत्रता बाद जन्मा व्यक्ति पहली बार बनेगा राष्ट्रपति मुर्मू अगर राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो स्वतंत्रता के बाद जन्मी इस शीर्ष पद पर पहुंचने वाली पहली नेता होंगी। सांसदों को हरे रंग, विधायकों को गुलाबी रंग के मत पत्र मिलेंगे राष्ट्रपति पद के लिए 18 जुलाई को होने वाले चुनाव में संसद सदस्यों और राज्यों की विधानसभा के सदस्यों को अलग-अलग रंग के मत पत्र मिलेंगे। सांसदों को हरे रंग जबकि विधायकों को गुलाबी रंग के मत पत्र मिलेंगे। एक विधायक के मत की कीमत उस राज्य की आबादी पर निर्भर करती है। उत्तर प्रदेश में प्रत्येक विधायक के मत की कीमत 208, झारखंड और तमिलनाडु की 176, महाराष्ट्र के विधायक की 175, सिक्किम के विधायक की सात, नगालैंड के नौ और मिजोरम के विधायक के मत की कीमत 8 है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के अस्तित्व में न होने के चलते इस बार सांसदों के मत की कीमत 708 से घटकर 700 रह गई है। ऐसे में अलग-अलग रंग के मत पत्र होने से रिटर्निंग अधिकारी को गणना करने में मदद मिलेगी। मत पत्रों को दो कॉलम के साथ प्रिंट किया जाता है। पहले कॉलम में उम्मीदवारों के नाम होते हैं ।

दिल्ली में कब होगी बारिश, यूपी और बिहार में कब बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में इस मानसूनी सीजन में बारिश के कारण हुए हादसों में अब तक 102 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें तीन मौतें पिछले 24 घंटे में हुईं। वहीं गुजरात में अब तक 90 से अधिक लोगों ने जान गवाई हैं। इसके अलावा असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, कछार जिले में एक और व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे सूबे में बाढ़ और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या 194 हो गई है। महाराष्ट्र, गुजरात और असम समेत कई राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पाकिस्तान के ऊपर बन रहे चक्रवात के कारण इस समय मानसून का प्रभाव गुजरात और महाराष्ट्र पर ज्यादा है, वहीं अगरचक्रवाती असर नहीं होता तो मानसून की बारिश यूपी और दिल्ली में होती। अगले सप्ताह खत्म होगा दिल्ली वालों का इंतजार राजधानी दिल्ली में मानसून की दस्तक के बाद भी बारिश को लेकर लोगों को इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। बीते कई दिनों से सूरज और बादलों के बीच लुकाछीपी

जहां बाढ़ और बारिश से स्थिति गंभीर हो गई है वहीं दिल्ली, यूपी और बिहार के लोगों को झमाझम बारिश का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच मौसम विभाग ने ट्वीट कर 15 और 16 जुलाई को राजस्थान में तो 19 जुलाई को उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में वहीं 18 और 19 जुलाई को उत्तराखंड में भारी बारिश के आसार जताए हैं। बिहार में कब होगी बारिश मौसम विभाग के अनुसार बिहार में 18 जुलाई के बाद ही मानसून सक्रिय हो पाएगा। फिलहाल इसके पहले बारिश की संभावना बहुत कम है। घ्छ्ड-प्रमुख के अनुसार, बीते एक सप्ताह से मानसून की ट्रफ रेखा लगभग एक ही स्थान से गुजरने के कारण बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में बारिश नहीं हो पा रही है। 17 जुलाई तक स्थिति ऐसी ही बनी रहेगी। यूपी में कब बरसेंगे बादल भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (घ्छ्ड) के अनुसार,18 जुलाई से उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है, जोकि 23 जुलाई तक जारी रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, आज यानी 16 जुलाई को पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों का खेल चल रहा है। हालांकि, मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले सप्ताह से मौसमी बदलाव के कारण लोगों का अच्छी बारिश को लेकर इंतजार खत्म हो सकता है। स्काईमेट वेदर के प्रमुख मौसम विज्ञानी महेश पलावत के मुताबिक, इस समय मानसून की अक्षीय रेखा मध्य भारत में बनी हुई है। हालांकि, इसका कुछ हिस्सा उत्तर की और बढ़ रहा है। ऐसे में संभावना है कि अगले सप्ताह तक अक्षीय रेखा पूरी तरह उत्तर दिशा की और पहुंच जाएगी, जिससे अच्छी बारिश होने के आसार हैं। आगामी 20 जुलाई तक कुछ जगहों पर रूक-रूक कर बारिश का दौर जारी रहेगा। महाराष्ट्र में अब तक 102 की मौत महाराष्ट्र में इस मानसूनी सीजन में बारिश के कारण हुए हादसों में अब तक 102 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें तीन मौतें पिछले 24 घंटे में हुईं। प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शुक्रवार को वर्तमान मानसून सीजन (1 जून से 14 जुलाई तक) की रिपोर्ट जारी की। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में बुलढाना, नासिक और ननदरबार जिले में एक एक व्यक्ति की मौत हुई और दो लोग लापता हैं।

ब्रिटिश पीएम पद के दावेदार ऋषि सुनक हुए शर्मसार

नई दिल्ली। ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी बोरिस जॉनसन की जगह नए पीएम का चुनाव करने जा रही है। इस पद की रेस में ऋषि सुनक भी आगे हैं। ब्रिटेन के पीएम पद की दौड़ में आगे चल रहे भारतवंशी ऋषि सुनक को पहली टेलीविजन रेस में ऋषि सुनक भी आगे हैं। हालांकि, अंतिम इस प्रक्रिया के पूरी होने में अभी देर है। सुनक भारत की अग्रणी सॉफ्टेवयर कंपनी इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं। जॉनसन सरकार में स्पेलचेक' का रूप दिया जैसे ही उनका ध्यान इस गलती और सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा इसे लेकर छींटाकशी किए जाने की ओर गया तो सुनक को शर्मिंदा होना पड़ा। हालांकि, उन्होंने तुरंत बात को संभाला और

बहस में ही शर्मसार होना पड़ा। दरअसल, वे जिस जगह बैठे थे, उसके पीछे लगे उनके चुनाव प्रचार के कैंपेन का बैनर लगा था। उस बैनर पर कैंपेन की स्पेलिंग गलत लिखी थी। जैसे ही सोशल मीडिया पर यह डिबेट लाइव देख रहे यूजरों की नजरें उस पर पड़ी तो उन्होंने सुनक का ध्यान इस गलती की ओर दिलाया। इस पर सुनक को शर्मिंदा होना पड़ा। ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी बोरिस जॉनसन की जगह नए पीएम का चुनाव करने जा रही है। इस पद की वित्त मंत्री रहे सुनक ने गत दिवस पहली टीवी बहस में हिस्सा लिया था, लेकिन इसी में ट्रोल हो गए। उनकी बहस को ट्विटर पर लाइव देख रहे लोगों की नजर उनके पीछे लगे बैनर पर पड़ी तो उन्होंने कैंपेन की गलत स्पेलिंग को मुद्दा बनाकर कमेंट करना शुरू कर दिया। बैनर पर क्यूआर कोड के नीचे लिखी कैंपेन शब्द की अंग्रेजी की गलत स्पेलिंग लिखी थी, जबकि सही स्पेलिंग हैं। 'रेडी फॉर ऋषि' को 'रेडी फॉर रोचक ढंग से अपने नारे 'रेडी फॉर ऋषि' को 'रेडी फॉर स्पेलचेक' का भी रूप दे दिया। ऋषि सुनक को इससे पहले भी भारी आलोचना का शिकार होना पड़ा है। कोरोना महामारी के दौरान ब्रिटेन में लगाए गए करों को लेकर और उनकी पतनी अक्षता मूर्ति को लेकर भी वे निशाने पर रहे हैं। अक्षता पर कर चोरी का आरोप है। वह इंफोसिस में अपनी हिस्सेदारी के दम पर ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ से भी ज्यादा अमीर मानी जाती हैं।

ट्रंप की पहली पत्नी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में कई बड़े खुलासे

अमेरिका। शरीर पर मिले चोट के निशानइवाना ट्रंप के साथ क्या हादसा हुआ था। यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि इवाना अपने घर पर सीढियों से गिर गई थीं। मौके पर ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली पत्नी इवाना ट्रंप का शुक्रवार को निधन हो गया था। अब सामने आया है कि 73 वर्षीय इवाना की मौत हादसे की वजह से हुई थी। न्यूयॉर्क के मुख्य चिकित्सा परीक्षक ने बताया कि इवाना ट्रंप की मौत हादसे में शरीर पर चोट लगने की वजह से हुई। हालांकि, रिपोर्ट में इस बात का जिक्र नहीं किया गया कि उनके साथ क्या हादसा हुआ था। दरअसल, शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इवाना के निधन की जानकारी दी थी। उन्होंने पोस्ट किया, ठमुझे उन सभी लोगों को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है जो इवाना ट्रंप से प्यार करते थे, जिनमें से कई हैं, कि इवाना ट्रंप का न्यूयार्क शहर में उनके घर पर निधन हो गया है। वह एक अद्भुत और सुंदर महिला थीं, जिन्होंने एक महान और प्रेरणादायक जीवन व्यतीत किया। इवाना ट्रंप के तीनों बच्चे, डोनाल्ड जूनियर, इवांका और एरिक पर उन्हें गर्व था। हमें भी इवाना ट्रंप पर गर्व है। रेस्ट इन पीस, इवाना सीढियों के पास मिलीं थीं मृत मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि इवाना सीढियों के पास मृत मिली थीं।पुलिस ने भी यह मानकर जांच शुरू कर दी है कि क्या इवाना की मौत घर पर सीढियों से गिरने की वजह से हुई न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें इवाना ट्रंप के बेहोश होने की जानकारी मिली थी। उन्हें मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया था।

पुणे में युवती के अंगों से मिला पांच को जीवनदान, सेना के दो जवानों को मिली किडनी

पुणे। दक्षिण कमान के रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि उक्त युवती को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद मरणासनन अवस्था में अस्पताल लाया गया था। इस पर उसके परिवार वालों ने फैसला किया कि उसके अंग उन लोगों को दान करना चाहिए। ब्रेन डेड एक युवती के परिजनों ने उसके अंगदान कर समाज के सामने मिसाल पेश की है कि मर कर भी इंसान अमर हो सकता है। पुणे स्थित सेना की दक्षिण कमान के अस्पताल (ण्एण) में एक ब्रेन डेड महिला को लाया गया था। जब उसके बचने की उम्मीद खत्म हो गई तो उसके परिजनों ने उसकी किडनियां, लीवर व आंखें दान कर दीं। इससे पांच लोगों के जीवन में नई रोशनी आई है। इनमें से दो सेना के जवान हैं। दक्षिण कमान के रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि उक्त युवती को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद मरणासन्न अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उसे भर्ती वक्त मस्तिष्क ने काम करना बंद कर दिया था। इस पर उसके परिवार वालों ने फैसला किया कि उसके अंग उन लोगों को दान करना चाहिए, जिन्हें उनका जीवन बचाने के लिए उनकी बेहद जरूरत है। इसके बाद इस युवती की किडनियां भारतीय सेना में कार्यरत दो जवानों को, आंखें सेना के मेडिकल कॉलेज की आई बैंक को और लीवर पुणे के रूबी हॉल क्लीनिक में भर्ती एक रोगी को लगाया गया।

विश्व युवा कौशल दिवस समारोह

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। 15/ 07/ 2022 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज में विश्व युवा कौशल दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपना कौशल प्रदर्शनी के माध्यम से दिखाया गया फिटर, प्लंबर ,टूल एंड डाई, वेल्डर टर्नर ,मशीनिस्ट ,वायरमैन ,इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक ,इलेक्ट्रीशियन, डीजल मैकेनिक ,ट्रैक्टर मैकेनिक एवं अन्य बहुत सारे व्यवसाय के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा स्टाल लगाए गए कुल 15 स्टाल लगाए गए इस अवसर पर संस्थान के प्रधानाचार्य श्री एस के श्रीवास्तव नैनी क्षेत्र से इलाहाबाद इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड नैनी के प्रतिनिधि संजय श्रीवास्तव ,हिंद एलीवेटर प्राइवेट लिमिटेड नैनी के प्रतिनिधि इंजीनियर एस के मिश्रा एडीको इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इंदौर के सुधाकर मिश्रा, पी सी सिंह नंदकिशोर बिंद् ,विनोद कुशवाह, अमृत लाल गुप्ता, एम ए कुरेशी आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों को अप्रेंटिस एवं अस्थाई जॉब देने वाले सबसे अधिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को मोमेंटो के साथ प्रशस्ति पत्र भी प्रधानाचार्य महोदय द्वारा प्रदान किया गया श्रीमती नगीना सिंह, रंजना शुक्ला ,वीरेंद्र नाथ शुक्ला ,प्रियंका विश्वकर्मा सिद्धार्थ यादव, शहजाद अहमद खान ,के,के मिश्रा, नंदकिशोर बिंद आलोक नाथ शर्मा ,राजीव जायसवाल, सुनील कुमार मिश्रा, हेमंत शुक्ला, सुशीला ,रामनरेश सिंह यादव ,भोलानाथ ,रश्मि सिंह, अनीता सरोज, प्रेम शंकर यादव, मनीष मिश्रा ,अनुज कुमार श्रीवास्तव ,पावन श्रीवास्तव, संजीव जयसवाल एवं संस्थान के समस्त स्टाफ बढ़-चढ़कर सहयोग प्रदान किया अंत में आए हुए अतिथियों के साथ प्रदर्शनी का भ्रमण प्रधानाचार्य द्वारा किया गया और कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा भविष्य में संस्थान से अधिक से अधिक परीक्षार्थियों को रोजगार देने का आश्वासन दिया गया अंत में प्रधानाचार्य द्वारा सभी कर्मचारियों को संस्थान में सहयोग करने के लिए धन्यवाद देकर कार्यक्रम को समाप्ति की घोषणा की गई ।

छात्रवृत्ति हेतु कक्षावार छात्र-छात्राएं प्रस्तुत करें ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि शैक्षिक सत्र वर्ष 2022-23 में प्राप्त होने वाली छात्रवृत्ति के लिए कक्षा वार छात्र शीघ्र ही अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करें। पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12) एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों का मास्टर डाटाबेस तैयार करने, सत्यापन, लॉक करने एवं छात्र/छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन से वितरण हेतु समय सारिणी जारी कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत दिनांक 20 जुलाई से 16 अगस्त तक प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालय द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिये आनलाइन आवेदन करने की कार्यवाही की जायेगी। जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्ष समस्त प्रपत्र प्रस्तुत करना, तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना (नवीन संस्थायें) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनायें भरकर/अपलोड करके प्रमाणित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि माह जुलाई से 07 अक्टूबर तक छात्रवृत्ति हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाईन आवेदन किया जायेगा। आनलाइन आवेदक पत्र की हार्डकापी छात्र/छात्राओं द्वारा वांछित संलगन्कों सहित विद्यालय में 14 अक्टूबर तक जमा किया जायेगा। दिनांक 20 नवम्बर तक जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा विद्यालय की मान्यता वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रमाणिकता को आनलाईन सत्यापित किया जायेगा। इसी प्रकार दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत माह जुलाई से 22 अगस्त तक प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालय द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने के लिये आवेदन करने की कार्यवाही शिक्षा विभाग/विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेन्सी के माध्यम से की जायेगी, तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना (नवीन संस्थायें) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनायें भरकर/अपलोड करके डिजिटल हस्ताक्षर से प्रमाणित किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि माह जुलाई से 07 नवम्बर तक छात्रवृत्ति हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाईन आवेदन किया जायेगा। आनलाइन आवेदक पत्र की हार्डकापी छात्र/छात्राओं द्वारा वांछित संलगन्कों सहित शिक्षण संस्था में 10 नवम्बर तक जमा किया जायेगा। दिनांक 10 दिसम्बर तक जिला विद्यालय निरीक्षक (कक्षा 11-12) एवं सम्बन्धित विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा संस्था की मान्यता, पाठ्यक्रम,सत्र एवं अध्ययनरत वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या की प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से आनलाइन सत्यापित किया जायेगा।

डफरिन में मरीजों का नहीं एमआर का रहता है बोलबाला

प्रयागराज। इलाज के नाम पर रेफर का खेलडफरिन में प्रतिदिन ओपीडी के दौरान एमआर (मेडिकल रिप्रजेंटेटिव) का आना-जाना लगा रहता है। हालांकि ओपीडी के सामने ही साफ-साफ लिखा है कि अस्पताल में एमआर का आना निषेध है। उसके बाद भी पूरे समय एमआर यहां पर

मंडराते रहते हैं। जनपद के एकमात्र जिला महिला चिकित्सालय डफरिन में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। अस्पताल में ओपीडी के समय मेडिकल रिप्रजेंटेटिव (दवा प्रतिनिधि) अपनी-अपनी कंपनी की दवाओं का प्रचार करने डॉक्टरों के पास पहुंच जाते हैं, जबकि मरीज कर्मचारियों की डांट खाकर अपनी बारी का इंतजार करते रहते हैं। डफरिन में प्रतिदिन ओपीडी के दौरान एमआर (मेडिकल रिप्रजेंटेटिव) का आना-जाना लगा रहता है। हालांकि ओपीडी के सामने ही साफ-साफ लिखा है कि अस्पताल में एमआर का आना निषेध है। उसके बाद भी पूरे समय एमआर यहां पर मंडराते रहते हैं। हालत यह हो जाती है कि अस्पताल में ओपीडी के बाहर मरीजों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन चिकित्सकों का पूरा ध्यान विभिन्न निजी कंपनियों से आने वाले एमआर पर ही लगा रहता है।ऐसे में अगर कोई मरीज या तीमारदार कुछ बोलना भी चाहे तो वहां तैनात कर्मचारी उसे डांट देते हैं। पहले से ही डॉक्टरों की कमी से जूझ रहे डफरिन अस्पताल में पिछले दिनों चार वरिष्ठ चिकित्सकों का स्थानांतरण कर दिया गया, जबकि उनके स्थान पर सिर्फ एक स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की तैनाती हो सकी है। बृहस्पतिवार को महिला चिकित्सक की ओपीडी के बाहर मरीजों की भीड़ लगी थी, जबकि एमआर अंदर डॉक्टर को घेरे हुए थे।

कर्मशाला अनुदेशक और असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती का परिणाम घोषित

प्रयागराज। आयोग ने जारी किया सीधी भर्ती का परिणाम13 पद अनारक्षित, छह पद अन्य पिछड़ा वर्ग, चार पद अनुसूचित जाति एवं एक पद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इन पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 12 एवं 13 जुलाई को आयोजित किया गया था। साक्षात्कार के आधार पर चयनित घोषित किए गए। प्राविधिक

शिक्षा विभाग को 25 नए कर्मशाला अनुदेश मिल गए हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने शुक्रवार को कर्मशाला अनुदेशक के पदों पर सीधी भर्ती का अंतिम चयन परिणाम घोषित कर दिया। इनमें 13 पद अनारक्षित, छह पद अन्य पिछड़ा वर्ग, चार पद अनुसूचित जाति एवं एक पद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इन पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार 12 एवं 13 जुलाई को आयोजित किया गया था। साक्षात्कार के आधार पर चयनित घोषित किए गए अभ्यर्थियों में अवधेश कुमार सिंह, पुष्कर भारद्वाज, शोपाल सिंह, पवन कुमार शुक्ल, कृष्ण कुमार सिंह, अजय कुमार बंसल, संजय, राम सिंह, संदीप कुमार, शिव सिंह राजपूत, कपिल कुमार कौशिक, कृपा शंकर शर्मा, राजनारायण सिंह, अभिनव, अमर नाथ, हरेंद्र कुमार वर्मा, धर्म सिंह, अजीत कुमार भाटिया, महेश कुमार, रुस्तम दास, रियाज अहमद, प्रदीप कुमार, पुरषोत्तम सरन, राजेंद्र कुमार एवं राधे लाल के नाम शामिल हैं।उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने राजकीय मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के आठ पदों पर सीधी भर्ती का अंतिम चयन परिणाम जारी कर दिया है। असिस्टेंट प्रोफेयर यूरोलॉजी के पांच में से तीन पदों पर शिरीश मिश्रा, अभिषेक जौहरी, दीपक कुमार गुप्ता का चयन हुआ है, जबकि दो पद अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण खाली रह गए। असिस्टेंट प्रोफेसर पीडियाट्रिक्स सर्जरी के तीन में से दो पदों पर गौरव सिंह एवं अंजू वर्मा का चयन हुआ है और एससी वर्ग के लिए आरक्षित एक पद के सापेक्ष कोई भी अभ्यर्थी उपस्थित न होने से पद रिक्त रह गया। असिस्टेंट प्रोफेसर स्किन एंड बीडी के दो पदों पर कुलदीप वर्ता एवं धीरज कुमार पटवा का चयन हुआ है। असिस्टेंट प्रोफेसर एनेस्थीसियोलॉजी के दो में एक पद पर प्रवीन पांडेय का चयन हुआ है और एक पद अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण खाली रह गया। वहीं, राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एपीडेमोलॉजिस्ट कम सहायक आचार्य एक पद पर भर्ती के लिए हुए इंटरव्यू में बुलाए गए दोनों अभ्यर्थी शामिल नहीं हुए और पद खाली रह गया। स्टाफ नर्स भर्ती परीक्षा अब चार अगस्त को स्टाफ नर्स (पुरुष) परीक्षा-2017 पुनर्विज्ञापन वर्ष 2022 की मुख्य परीक्षा अब चार अगस्त को होगी। पहले यह परीक्षा 24 जुलाई को प्रस्तावित थी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सचिव जगदीश के अनुसार अपरिहार्य कारणों से परीक्षा स्थगित की गई है। अब यह परीक्षा चार अगस्त को आयोग के लखनऊ स्थित शिविर कार्यालय के परीक्षा भवन में आयोजित की जाएगी।

प्रयागराज एक्सप्रेस को आज 38 वर्ष हो गए पूरे

प्रयागराज। नई दिल्ली जाने के लिए बनी यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन 16 जुलाई 1984 को ही प्रयागराज एक्सप्रेस पहली बार इलाहाबाद जंक्शन (अब प्रयागराज जंक्शन) से नई दिल्ली के लिए चली थी। तब इस ट्रेन का नंबर इलाहाबाद से 91 अप एवं नई दिल्ली से 92 डाउन था। इलाहाबाद जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक से इस ट्रेन को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री राजेंद्र कुमारी बाजपेयी

ने हरी झंडी दिखाई थी। उस वक्त इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद कांग्रेस के केपी तिवारी थे। प्रयागराज जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस के 16 जुलाई 2022 (शनिवार) को 38 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह ट्रेन इतने वर्षों से दिल्ली जाने वाले यात्रियों की पसंदीदा ट्रेन में शुमार है। तीन वर्ष पहले इसके 35 वर्ष पूर्ण होने पर उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक रहे राजीव चौधरी ने 'मैं प्रयागराज एक्सप्रेस हूं' शीर्षक से इसकी खूबियां बताई थीं। इस ट्रेन के 38 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रेलवे द्वारा प्रयागराज जंक्शन पर कोई बड़ा कार्यक्रम तो नहीं किया जा रहा है, लेकिन केक कटेगा। साथ ही प्रयागराज एक्सप्रेस फैंस क्लब द्वारा ट्रेन के इंजन एवं कोच के बाहर साज सज्जा की तैयारी है। 16 जुलाई 1984 को ही प्रयागराज एक्सप्रेस पहली बार इलाहाबाद जंक्शन (अब प्रयागराज जंक्शन) से नई दिल्ली के लिए चली थी। तब इस ट्रेन का नंबर इलाहाबाद से 91 अप एवं नई दिल्ली से 92 डाउन था। इलाहाबाद जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक से इस ट्रेन को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री राजेंद्र कुमारी बाजपेयी ने हरी झंडी दिखाई थी। उस वक्त इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद कांग्रेस के केपी तिवारी थे। शुरूआत में थे लाल रंग के कोच प्रयागराज एक्सप्रेस की जब शुरूआत हुई थी तब इसमें लाल रंग के कोच थे। तब ट्रेन में एक भी एसी कोच नहीं थे। तीन कोच फर्स्ट क्लास के थे। इसके अलावा चार जनरल एवं आठ कोच स्लीपर श्रेणी के थे। वर्ष 2003 में उत्तर मध्य रेलवे के गठन के बाद इसमें पुराने कोचों को बदलकर नीले रंग के कोचों को लगाया गया। 18 दिसंबर 2016 को प्रयागराज एक्सप्रेस को एलएचबी रैक से लैस किया गया। इसके बाद इस वर्ष लगे कुंभ मेले के पूर्व इसके कोचों पर मेला थीम पर आधारित विनायल रैपिंग की गई। पहले सफर में शीतला प्रसाद थे कंडक्टर प्रयागराज एक्सप्रेस का शुरूआत से अब तक दोनों ओर से आवागमन जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर ही हो रहा है। इसके पहले सफर में कंडक्टर के रूप में जंक्शन से शीतला प्रसाद श्रीवास्तव गए थे। उन्होंने बताया कि शुरूआत में स्लीपर का किराया करीब 115 रुपये तथा फर्स्ट क्लास का किराया 400 रुपये से अधिक था। ट्रेन के 35 वर्ष पूरे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भी वह टिकट चेकिंग टीम को लीड कर रहे थे। इस दौरान जंक्शन पर हुए कार्यक्रम में ट्रेन के पहले सफर के गार्ड प्रताप सिंह, टिकट चेकिंग स्टाफ विजय मोहन दुबे, डीएन सक्सेना, विदित तिवारी, अजय गुप्ता, एमपी सिंह, राम सिंह आदि को भी सम्मानित किया गया गया था।

हाईकोर्ट के वकील की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या

प्रयागराज। बाइक सवार बदमाशों ने दिया घटना को अंजाम सिठौली गांव निवासी इंद्रदेव यादव (42) पुत्र इंद्रेश कुमार पेशे से अधिवक्ता हैं। शुक्रवार की सुबह वह तकरीबन छह बजे सुंदर नगर तिराहे सिठौली

के पास गुलाब यादव की दुकान पर चाय पीकर पैदल घर वापस आ रहे थे। उतरांव के सिठौली गांव में हुई सनसनीखेज वारदात में हाईकोर्ट के अधिवक्ता इंद्रदेव यादव (42) की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात तब हुई जब वह चाय की दुकान से घर लौट रहे थे। गंभीर हालत में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां देर शाम उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो पट्टीदारों के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया है। वारदात की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। सिठौली गांव निवासी इंद्रदेव पुत्र इंद्रेश कुमार हाईकोर्ट में वकालत करते थे। इसके साथ ही वह झाड़फूंक का भी काम करते थे। शुक्रवार सुबह छह बजे गांव में ही स्थित सुंदर नगर तिराहे के पास की दुकान पर वह चाय पीने गए। कुछ देर बाद वहां से लौट रहे थे कि तभी एक युवक ने पीछे से उन्हें आवाज दी। वह रुके तभी पहुंचे एक अन्य युवक ने पीछे से फायर कर दिया। गोली गर्दन में लगते ही वह नीचे गिर पड़े जिसके बाद हमलावर बाइक से भाग निकले। सूचना पर परिजन व कुछ देर बाद पुलिस भी आ गई। उन्हें एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देख परिजन निजी अस्पताल लेकर चले गए। वहां देर शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर भाई कपिल ने पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम देने के आरोप में परिवार के ही अखिलेश व जोगेंद्र के खिलाफ तहरीर दी जिस पर केस दर्ज कर लिया गया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने देर रात नामजद समेत चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया। यह भी बात सामने आई कि गोली मृतक के ही परिवार के एक सदस्य ने चलाई थी। पुलिस ने उसे भी हिरासत में ले लिया। यह बात सामने आई है कि अखिलेश के पिता गुलाब को करीब 30 साल पहले गोली लग गई थी। इस बात को लेकर परिवारवाले मृतक से नाराज रहते थे। उधर इस मामले में जब सीओ हंडिया भीम कुमार गौतम व थाना प्रभारी श्रवण कुमार से बात की गई तो उन्होंने हैरान करने वाला जवाब दिया। हत्या के 16 घंटे बाद भी वह वजह नहीं बता पाए। दोनों का कहना था कि पुरानी रंजिश में वारदात हुई लेकिन रंजिश किस बात को लेकर थी, यह उन्हें पता नहीं। उनका यह भी कहना था कि पकड़े जाने के बाद हत्यारे ही वजह बताएंगे।

सपा नेता समेत दो की हत्या का आरोपी 18 साल बाद गिरफ्तार

प्रयागराज। एक लाख रुपये घोषित था इनामएसटीएफ प्रयागराज इकाई की एक टीम डिप्टी एसपी नवेंदु सिंह केनेतृत्व में एक लाख के इनामी गिरीश की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान पता चला कि वह सिहोर में नाम व हुलिया बदलकर रह रहा है। इस पर उसकी तलाश शुरू की गई। कौशाम्बी में 17 साल पहले हुए सपा नेता शिवसागर सिंह को सनसनीखेज ढंग से मौत के घाट उतारने का आरोपी गिरीश मिश्रा शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एसटीएफ प्रयागराज इकाई ने एक लाख के इस इनामी को मध्य प्रदेश के सिहोर से पकड़ा। वहां वह नाम और हुलिया बदलकर पिछले कई सालों से फरारी काट रहा था। उसने पूछताछ में बताया कि पिता और दो भाइयों की मौत का बदला लेने केलिए उसने यह हत्याकांड अंजाम दिया था। एसटीएफ की टीम उसे लेकर शहर के लिए चल दी है। एसटीएफ प्रयागराज इकाई की एक टीम डिप्टी एसपी नवेंदु सिंह केनेतृत्व में एक लाख के इनामी गिरीश की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान पता चला कि वह सिहोर में नाम व हुलिया बदलकर रह रहा है। इस पर उसकी तलाश शुरू की गई। सिहोर पहुंचकर सुरागरशी की गई तो पता चला कि वह रेलवे स्टेशन के पास स्वतंत्र व्यापारी सलाहकार की ट्रेनिंग ले रहा था। जिस पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

हत्यारोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिलीप मिश्रा की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित

प्रयागराज। शूटरों ने करीब से उन्हें गोलियां मारी थीं। सनसनीखेज तरीके से हुए इस कत्ल के खिलाफ देश भर के डॉक्टरों ने आवाज उठाई थी। विरोध प्रदर्शन हुए थे। एसटीएफ समेत कई जांच टीम चार साल तक कत्ल का पर्दाफाश करने

में नाकाम रही। चर्चित डा. एके बंसल हत्याकांड के आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिलीप मिश्रा की जमानत अर्जी पर इलाहाबाद उच्च हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव की अदालत में हुई। मामले में लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. एके बंसल का कत्ल 12 जनवरी 2017 की शाम सात बजे जीवन ज्योति अस्पताल के उनके चैंबर में कर दिया गया था।शूटरों ने करीब से उन्हें गोलियां मारी थीं। सनसनीखेज तरीके से हुए इस कत्ल के खिलाफ देश भर के डॉक्टरों ने आवाज उठाई थी। विरोध प्रदर्शन हुए थे। एसटीएफ समेत कई जांच टीम चार साल तक कत्ल का पर्दाफाश करने में नाकाम रही। पिछले साल एसटीएफ ने प्रतापगढ़ के शूटर को गिरफ्तार कर हत्या का रहस्य बेनकाब किया था।एसटीएफ का दावा है कि दिलीप मिश्रा और एडमीशन माफिया आलोक सिन्हा ने नैनी जेल में बंद रहने के दौरान डॉक्टर बंसल की हत्या की सुपारी प्रतापगढ़ के शूटरों को दी थी। इस घटना की प्राथमिकी अज्ञात के खिलाफ कीडगंज थाने में दर्ज कराई गई थी। फिर पुलिस ने चार साल से फरार आलोक सिन्हा को भी गिरफ्तार करने में कायमाबी हासिल की।पुलिस का कहना है कि दिलीप मिश्र ने ही आलोक सिन्हा के कहने पर शूटरों का इंतजाम किया था। पकडे़ गए प्रतापगढ़ के शूटर शोएब ने भी इस बात को कुबूला था। पुलिस के मुताबिक डॉ. बंसल के बेटे का एमबीबीएस में एडमीशन के लिए पैसा लेने के बाद आलोक सिन्हा ने एडमीशन नहीं कराया और फिर रकम भी नहीं वापस की थी। डाक्टर ने मुकदमा लिखाया तो उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।इसी खुनन्स में आलोक ने डाक्टर को मरवाने की साजिश रची और इसमें दिलीप ने पूरा सहयोग किया। दिलीप मिश्र ने जेल से रिहा होने के लिए जमानत की अर्जी हाई कोर्ट में दी। पुलिस की ओर से कोर्ट में बताया गया कि दिलीप ने ही भाड़े के शूटर मुहैया कराए। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद दिलीप की जमानत पर अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है।

दफ्तर में अश्लील हरकत की शिकायत करने वाली महिला कर्मी को न्याय के बदले मिली तबादले की सजा

प्रयागराज। चकबंदी कार्यालय में खुलेआम फब्तियां कसने, गंदे आरोप लगाकर बदनाम करने की शिकायत की अनदेखी का बंदोबस्त अधिकारी पर आरोप लगाने वाली महिला कनिष्ठ सहायक का कानपुर देहात के लिए तबादला कर दिया गया है बंदोबस्त अधिकारी (चकबंदी) कार्यालय में तैनात महिला कनिष्ट

सहायक को दफ्तर में अश्लील हरकत कर परेशान करने की अफसरों से शिकायक करना भारी पड़ गया। चकबंदी आयुक्त से लेकर मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और महिला आयोग तक शिकायत करने के बाद महिला को न्याय तो नहीं मिला, लेकिन तबादले की सजा जरूर मिल गई। तबादले से आहत महिला कर्मी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और चकबंदी आयुक्त से न्याय की गुहार लगाई है। चकबंदी कार्यालय में खुलेआम फब्तियां कसने, गंदे आरोप लगाकर बदनाम करने की शिकायत की अनदेखी का बंदोबस्त अधिकारी पर आरोप लगाने वाली महिला कनिष्ट सहायक का कानपुर देहात के लिए तबादला कर दिया गया है। चकबंदी आयुक्त के अनुमोदन के बाद अपर आयुक्त चकबंदी महेंद्र सिंह की ओर से तबादला सूची जारी की गई है। इसमें महिला कर्मी को प्रशासनिक आधार पर प्रयागराज से कानपुर देहात के लिए स्थानांतरित किया गया है। इससे महिला कर्मी आहत है। उनका कहना है कि इस तबादले से उनके आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई गई है। यह तबादला नहीं उनके लिए सजा है। इस पर शासन को पुनर्विचार कर उसे न्याय दिलाना चाहिए। शिकायत है कि चकबंदी कार्यालय में कनिष्ठ सहायक पद पर तैनात दो महिला कर्मचारियों के साथ अश्लीलता के मामले को महीनों पहले से दबाने की कोशिश की जा रही है। पहले जिस लिपिक ने महिला कर्मियों को बदनाम करने की कोशिश की, उसके खिलाफ पुलिस से की गई शिकायतों को दबाव बनाकर वापस करा दिया गया। इसके बाद भी सिलसिला रुका नहीं। कभी व्हाट्सएप पर फोटो डाल कर उपहास उड़ाना तो कभी चरित्र हनन का आरोप लगाकर परेशान किया जाता रहा आरोप है कि आजिज आकर महिला लिपिक ने डीएम और मंडलायुक्त से जब इस मामले की शिकायत की, तब बंदोबस्त अधिकारी ने इसे अनुशासनहीनता करार देते हुए स्पष्टीकरण तलब कर लिया। महिला कर्मी का कहना है कि उसकी छवि धूमिल करने की कई बार कोशिश गई। इसकी शिकायत कर्नलगंज पुलिस से भी की गई, लेकिन बंदोबस्त अधिकारी ने दबाव बनवा कर शिकायत वापस करा दी। महिलाकर्मी की रिश्तेदार ने बंदोबस्त अधिकारी की भूमिका पर उठाए सवाल महिला कर्मी की रिश्तेदार ने चकबंदी आयुक्त को पत्र लिखकर इस मामले में बंदोबस्त अधिकारी की भूमिका की जांच कराने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि अश्लील हरकत के इस मामले की मंडलायुक्त और डीएम से की गई शिकायत की अभी जांच रिपोर्ट नहीं आई है। इस बीच तबादला करना न्याय संगत नहीं है। इस संबंध में बंदोबस्त अधिकारी पुष्कर बाबू से संपर्क किया गया, लेकिन वह अपना पक्ष रखने के लिए उपलब्ध नहीं हुए।

हिंदू सो रहे हैं और वफ्फ बोर्ड सरकारी संपत्तियों पर करता जा रहा है कब्जा

वाराणसी। ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी और अन्य ग्रहों के नियमित दर्शन पूजन मामले की सुनवाई लगातार चौथे दिन शुक्रवार को वाराणसी के जिला जज की अदालत में हुई। वाराणसी के ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी और अन्य ग्रहों के नियमित दर्शन पूजन मामले की पोषणीयता पर शुक्रवार को चौथे दिन भी जोरदार बहस हुई। सुनवाई में हिंदू पक्ष ने चौथे दिन अपनी दलील दी और कहा कि वक्फ बोर्ड देश की सरकारी संपत्तियों को इसी तरह कई जगहों पर कब्जा कर रहा है और हिंदू सो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने बहस के चौथे दिन दलील में वक्फ असेट्स मैनेजमेंट सिस्टम ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण का हवाला दिया और कहा कि ज्ञानवापी प्रापर्टी के वक्फ का नोटिफिकेशन, वक्फ रजिस्ट्रेशन तिथि, वक्फ निर्माण की तिथि, प्रॉपर्टी का खाता, खसरा, पट्टा, प्लॉट नंबर सभी निल दिखाया गया है।प्रॉपर्टी शहर में होने के बावजूद एरिया मंडुवाडीह ग्रामीण में दर्ज बताया गया है। जिस स्थान को विशेष उपासना स्थल कानून 1991 बनने से पहले हिंदुओं का पूजा स्थल घोषित कर दिया गया, उस स्थान पर यह कानून नहीं लागू होता है। हिंदू पक्ष की ओर से हरिशंकर जैन ने अदालत में कहा कि ज्ञानवापी को वक्फ संपत्ति घोषित करना बहुत बड़ा षडयंत्र है और जनता को गुमराह किया गया है।'हमारे अधिकार का अतिक्रमण किया गया'वक्फ बोर्ड में दर्ज 100 नंबर रजिस्ट्रेशन के बाबत कोई भी सबूत नहीं है। धार्मिक स्वरूप के मुद्दे पर कहा कि वेद, शास्त्र, उपनिषद, स्मृति, पुराण से साबित है कि पूरी प्रापर्टी मंदिर की है और जबरदस्ती घुस आने व नमाज पढ़ लेने से मस्जिद की संपत्ति नहीं हो जाती है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकार का अतिक्रमण किया गया। वर्ष 1993 से पूर्व ब्यास जी तहखाने में और जगह-जगह पर पूजा करते थे। बाद में बैरिकेटिंग कर जबरन रोक दिया गया। विश्वनाथ मंदिर एक्ट के सेक्सन 5 के तहत यह प्रापर्टी देवता में निहित हो गई, तब विशेष धर्म उपासना स्थल कानून लागू नहीं हो सकता।दलील में कहा कि ऑर्डर 7 रूल 11 के आवेदन में जो बात कही गई है, उसी पर कोर्ट विचार करेगी, इसके इतर विपक्षी जो भी बात कहेंगे उस पर विचार का कोई औचित्य नहीं है। जिन स्थलों पर पूजा करने का अधिकार विशेष धर्म उपासना स्थल एक्ट 1991 आने से पहले पूजा का अधिकार प्राप्त था। उन स्थलों पर यह एक्ट प्रभावी नहीं है। वादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन और विष्णु शंकर जैन ने बहस पूरी कर ली और अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 18 जुलाई नियत कर दी। तलवार से ज्यादा शक्ति कलम की होती है उस दिन वादिनी राखी सिंह की तरफ से अधिवक्ता मानबहादुर सिंह, शिवम गौड़ व अनुपम द्विवेदी बहस जारी रखेंगे। अदालत में सुनवाई के दौरान डीजीसी सिविल महेंद्र प्रसाद पांडेय, डीजीसी फौजदारी आलोक चंद्र शुक्ल, अंजुमन इंतजामिया मसाजिद के अधिवक्तागण अभयनाथ यादव, रईस अहमद, वादिनी गण व उनके अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी, सुभाषनंदन चतुर्वेदी, पंकज कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

परीक्षा उत्तर पुस्तिका की फोटो का लगाया स्टेटस, पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने की जांच की मांग

वाराणसी। पुलिस कमिशनर वाराणसी, एसपी चंदौली सहित अन्य सीनियर अफसरों को जनसुवाई सहित अन्य माध्यमों से प्रेषित शिकायत में अमिताभ और नूतन ने कहा कि उन्हें शुक्रवार को एक युवक द्वारा अपने व्हाट्सएप पर लगाया गया स्टेटस प्राप्त हुआ। इस स्टेटस में वह युवक परीक्षा केंद्र में बैठा दिख रहा है। साथ ही लिखी हुई एक उत्तर पुस्तिका भी दिख रही है। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर और समाजसेवी. डॉ. नूतन ठाकुर ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी से संबद्ध चंदौली के बीए प्रथम वर्ष के छात्र मनोज यादव द्वारा परीक्षा के दौरान लिए गए अपने फोटो और उत्तर पुस्तिका का फोटो सार्वजनिक किए जाने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस कमिशन्र वाराणसी, एसपी चंदौली सहित अन्य सीनियर अफसरों को जनसुवाई सहित अन्य माध्यमों से प्रेषित शिकायत में अमिताभ और नूतन ने कहा कि उन्हें शुक्रवार को एक युवक द्वारा अपने व्हाट्सएप पर लगाया गया स्टेटस प्राप्त हुआ। इस स्टेटस में वह युवक परीक्षा केंद्र में बैठा दिख रहा है। साथ ही लिखी हुई एक उत्तर पुस्तिका भी दिख रही है तथा उस के साथ ऊपर महात्मा गांधी काशी विश्वविद्यालय के नाम सहित उत्तर पुस्तिका का पहला पृष्ठ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यह युवक बीए प्रथम वर्ष का छात्र मनोज यादव पुत्र सुरेंद्र यादव बताया गया है, जिसका परीक्षा केंद्र संख्या 246, चंदौली था। अमिताभ और नूतन ने विश्वविद्यालय की परीक्षा में मोबाइल लेकर जाने तथा वहां परीक्षा के दौरान फोटो खींच कर उसे सार्वजनिक किए जाने को गंभीर मामला बताया और कहा कि इससे काशी विश्वविद्यालय की परीक्षा में भारी गड़बड़ी की आशंका बहुत अधिक बलवती दिखती है। अतः उन्होंने मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर जांच कर कठोर विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

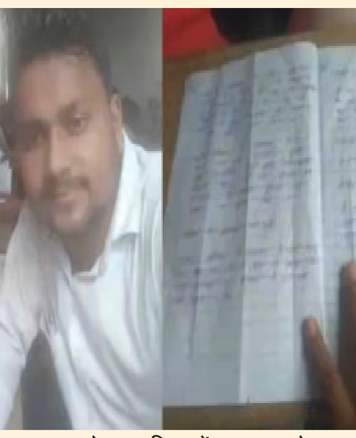

40 दिनों तक झूलेलाल की भक्ति में लीन रहेंगे भक्त

गोरखपुर। चालिहो पर्व के अंतिम नौ दिन नवरात्र के नाम से जाने जाते हैं, जिसमें श्रद्धालुओं की साधना गहन हो जाती है। वे मंदिरों में नौ दिन निवास कर भगवान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना के महोत्सव के अंतर्गत मनाए जाने वाले 40 दिनों के चालिहो पर्व की शुरुआत शनिवार से हो रही है।

इस बार गोरखनाथ रोड स्थित नवनिर्मित झूलेलाल मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान सिंधी समाज के लोग भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना में लीन रहेंगे। चालिहो पर्व के अंतिम नौ दिन नवरात्र के नाम से जाने जाते हैं, जिसमें श्रद्धालुओं की साधना गहन हो जाती है। वे मंदिरों में नौ दिन निवास कर भगवान की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं। 41वें दिन 25 के अगस्त को भगवान झूलेलाल का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। चालिहो महोत्सव का संबंध भगवान झूलेलाल के प्रकट होने से है। सिंध प्रांत में मिरख बादशाह के अत्याचारों से तंग आकर श्रद्धालुओं ने सिंधु नदी के किनारे 40 दिन तक भगवान वरुण की प्रार्थना की थी। 40वें दिन भगवान वरुण, झूलेलाल के रूप में प्रकट हुए थे। इसी उपलक्ष्य में सिंधी समाज 16 जुलाई से 24 अगस्त तक चालिहो महोत्सव मनाता है। इस दौरान श्रद्धालु पूजा प्रार्थना से आत्मशुद्धि का प्रयास करते हैं। भगवान झूलेलाल ने किया मिरख बादशाह का अंत नगर सिंधी पंचायत के महामंत्री देवा केशवानी के अनुसार, श्रद्धालुओं की तपस्या से प्रसनन्होकर भगवान उडेरो लाल (वरुण देवता) मछली पर सवार हो सिंधु नदी में प्रकट हुए। भक्तों ने जयघोष किया 'आयो लाल झूलेलाल'। वरुण देवता ने कहा कि चिंता न करो, मैं रतन राय के घर चैत्र शुक्ल जन्म लूंगा और तुम्हारे दुखों का अंत करूंगा।

मुंबई के पूंबर के नाम से नगर निगम से जारी हो रहा था वेतन

गोरखपुर। नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने कहा है कि जोन के अधिष्ठान लिपिकों द्वारा सुपरवाइजर के अलावा अन्य कर्मचारी को भी मस्टर रोल दे दिया जा रहा है। इससे फर्जी तरीके से कर्मचारियों का वेतन जारी होने की आशंका बनी रहती है। गोरखपुर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में एक से बढ़कर एक चौंकाने वाले मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला मुंबई में पुंबर का काम कर रहे व्यक्ति के नाम से कई महीने से वेतन निकासी का प्रकाश में आया है। इस मामले में नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने मेट दीपू को बर्खास्त कर दिया। नगर निगम में कयामुद्दीन पुत्र खालिक को सफाई कर्मी बताकर कई महीने से फर्जी तरीके से वेतन निकाला जा रहा था। कयामुद्दीन की माता नरगिस बानों द्वारा लिखित पत्र देकर बताया गया कि उनका पुत्र कयामुद्दीन पिछले छह माह से मुंबई में पलंबर का कार्य कर रहा है। वह नगर निगम में कार्य नहीं कर रहा है। इस संबंध में बैंक में जांच कराने पर पता चला कि सीएलसी पर कार्यरत मेट दीपू द्वारा कयामुद्दीन के पासबुक में अपना नंबर दर्ज कराया गया है और फर्जी तरीके से उसके द्वारा कयामुद्दीन के वेतन का भुगतान लिया जा रहा है। नगर आयुक्त ने बताया कि मेट दीपू को बर्खास्त कर वेतन की रिकवरी की जा रही है। अब सुपरवाइजर को ही जारी होगा मस्टर रोल फर्जी तरीके से सफाई कर्मचारी के नाम पर वेतन निकालने के मामले में नगर आयुक्त अविनाश सिंह ने व्यवस्था में सुधार को लेकर निर्देश दिया है। नगर आयुक्त ने कहा है कि जोन के अधिष्ठान लिपिकों द्वारा सुपरवाइजर के अलावा अन्य कर्मचारी को भी मस्टर रोल दे दिया जा रहा है। इससे फर्जी तरीके से कर्मचारियों का वेतन जारी होने की आशंका बनी रहती है। अब अधिष्ठान लिपिक केवल सुपरवाइजर को ही मास्टर रोल जारी करेगें। मेठ या किसी सफाई कर्मचारी को किसी भी हाल में मस्टर रोल नही देगें। इसके साथ ही जोन के अधिष्ठान लिपिक महीने की 20-23 तारीख तक सुपरवाईजर से पिछले माह का मस्टर रोल लेने के बाद ही अगले माह का मस्टर रोल देगें। कोई भी मस्टर रोल सीधे सीएलसी कार्यालय में वेतन भुगतान के लिए नहीं जाएगा।

मां-बेटी हत्याकांड: हथौड़ी और रॉड से सिर कूंच कर की गई थी हत्या

वाराणसी । वाराणसी के नरिया स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास मकान के अंदर बुधवार को मां सुनीता पांडेय (55) व बेटी दीपिका (28) का शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह सामने आया कि मां और बेटी की सिर कूंचकर हत्या की गई। वाराणसी के नरिया स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास मकान के अंदर मां और बेटी हत्याकांड की गुत्थी काफी हद तक पुलिस ने सुलझा ली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह सामने आया कि मां और बेटी की सिर कूंचकर हत्या की गई। पहले मां को मौत के घाट उतारा गया। शुक्रवार को पुलिस आयक्त ए सतीश गणेश ने घटनास्थल का घंटे भर से अधिक देर तक निरीक्षण किया। इस दौरान कमरे से खून लगा हथौड़ी, राड और ब्लेड के साथ ही बाल को कब्जे में लेकर फोरेंसिक लैब भेजा गया। आशंका जताई गई कि हथौड़ी और राड से वार कर हत्या की गई। वहीं, मां और बेटी के शव का हरिश्चंद्र घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। मुखाग्नि छोटे बेटे अंजनी ने दी। घटना में संदिग्ध छह लोगों से पुलिस चितईपुर थाने में पूछताछ कर रही है। 10 से 11 दिन पुराने थे शव लंका थाना अंतर्गत नरिया स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास मकान के अंदर बुधवार को मां सुनीता पांडेय (55) व बेटी दीपिका (28) का शव मिला था। 10 से 11 दिन पुराने शव से दुर्गंध उठने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। संपत्ति विवाद सहित अन्य कई बिंदुओं पर पुलिस काम कर रही है। दोपहर में घटनास्थल पर क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम के संग पहुंचे पुलिस आयुक्त ए सतीण गणेश ने मकान के अंदर और बाहरी परिसर का निरीक्षण किया। गलियों में पैदल घूमकर आसपास लोगों से पूछताछ की। बगल वाले छत से घटना की बारीकी से जांच किया। एक घंटे से भी अधिक समय तक टीम के साथ छानबीन की। पोस्टमार्टम के बाद मां व बहन के शव का अंतिम संस्कार हरिश्चंद्र घाट पर हुआ। छोटे बेटे अंजनी ने मुखाग्नि दी।लंका पुलिस के अनुसार बेटी को बेड से खींचकर गलियारे में मारा गया, क्योंकि दीपिका बेड शीट हाथ में पकड़ी थी, जो बेड से लगा था। घटना स्थल के समीप लगे दो सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकाला गया। प्राथमिक विद्यालय के पीछे वाली गली आगे जाकर तीन हिस्सों में बंट जाती है। पुलिस की तफ्तीश में सामने आया कि हमलावर पिछले दरवाजे से घर में घुसे थे। बेटी की गलियारे में शव था तो वहीं, मां सुनीता पिछले दरवाजे के पास लॉबी में गिरी मिली थी। मां और बहन की मौत पर 72 घंटे बाद भी नहीं पहुंचा बड़ा बेटा मां और इकलौती बहन की हत्या की सूचना पर भी बड़ा बेटा अखिलेश पांडेय नई दिल्ली से घर नहीं पहुंचा। बृहस्पतिवार की रात में संकट मोचन चौकी प्रभारी ने फोन किया तो बेटे ने अपना लोकेशन दिल्ली में बताया, देर रात दो बजे बेटे का लोकेशन जांचने पर कननैज में मिला। इसके बाद से उसका मोबाइल भी बंद हो गया। पुलिस कमिंयों के अनुसार बड़े बेटे की पतनी फोन पर पहले दिन दाह संस्कार के बारे में पूछ रही थी। लंका पुलिस के अनुसार पिछले नवंबर माह में छोटे भाई अंजनी की पुलिसकमिंयों से किसी बात पर विवाद हुआ था तो नई दिली से विमान से तीन घंटे में बनारस आ गया था। इस बात की चर्चाएं मोहल्ले के लोगों में भी रहीं।

सांसदों के लेटर पैड पर दिलाता था ट्रेन का कंफर्म टिकट, ऐसे पकड़ा गया दलाल

गोरखपुर। सीपीआरओ एनईआर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रेलवे का सतर्कता विभाग व आरपीएफ अभियान चलाकर ट्रेन का फर्जी टिकट बनाने वाले दलालों को पकड़ता है। जो पकड़े जाते हैं, उन सबके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाती है। सांसदों के लेटर पैड का इस्तेमाल करके रेलवे के कामशिऱ्यल विभाग से वीआईपी कोटे के तहत ट्रेन के वेटिंग टिकट को कंफर्म कराने वाला गिरोह सक्रिय है। आरपीएफ सीआईबी और सतर्कता विभाग की संयुक्त टीम ने एक सप्ताह पहले एक ऐसे ही टिकट दलाल को गोरखपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दलाल 500 से 700 रुपये में सांसदों का कोटा बेच रहा था। दलाल के पास से गोरखपुर व बस्ती मंडल के तीन सांसदों के लेटर पैड के साथ ही 8880 रुपये बरामद हुए हैं। टीम ने दलाल के खिलाफ आरपीएफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया। आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अब सांसदों के लेटर पैड का सत्यापन कराया जा रहा है, ताकि फर्जीवाड़े में शामिल अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। आरपीएफ की सीआईबी टीम को सूचना मिली थी कि बिछिया का रहने वाला सत्येंद्र पाल, सांसदों के लेटर पैड पर ट्रेन के वेटिंग टिकट को कंफर्म कराता है। शिकायत के आधार पर सतर्कता दल निरीक्षक यातायात के साथ आरपीएफ की टीम पिछले सप्ताह रेलवे स्टेशन पर जांच-पड़ताल करने में जुट गई। सत्येंद्र पाल नाम का दलाल स्टेशन पर एक व्यक्ति को बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का वीआईपी कोटे से कंफर्म टिकट देने पहुंचा। वह यात्री को ट्रेन का टिकट दे ही रहा था कि टीम ने उसे दबोच लिया।

गोरखपुर के इस मंदिर की है अनोखी कहानी कुल्हाड़ी के वार से पत्थर से बहने लगा था खून

गोरखपुर। शहर में स्थित महादेव झारखंडी शिव भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। सावन के महीने में पूर्वांचल के अलग-अलग जिलों से लगभग दो लाख शिव भक्त बाबा का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। बाबा के पूजन-अर्चन के बाद श्रद्धालु मेले का भी लुत्फ उठाते हैं। इस मंदिर की कहानी बहुत हैरान करने वाली है। झारखंडी महादेव मंदिर के मुख्य पुजारी शंभु गिरी गोस्वामी ने बताया कि पहले यहां पर चारों तरफ जंगल था। लकड़हारे यहां से लकड़ी काटकर ले जाते थे और अपना जीवकोपार्जन करते थे। पुराने लोग बताते हैं कि 1928 में एक दिन एक लकड़हारा यहां पर पेड़ काट रहा था, तभी उसकी कुल्हाड़ी एक पत्थर से टकराई जिससे खून की धारा बहने लगी। इसके बाद वह लकड़हारा जितनी बार उस शिवलिंग को ऊपर लाने की कोशिश करता वो उतना ही नीचे धंसता जाता।लकड़हारे ने भाग कर यह घटना अन्य लोगों को बताई। इसी बीच वहां के जमींदार गब्बू दास को रात में भगवान भोले का सपना आया कि झारखंडी में भोले प्रकट हुए हैं। इसके बाद जमींदार और स्थानीय लोगों ने वहां पहुंचकर शिवलिंग को जमीन से ऊपर करने की कोशिश करने लगे, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हुए तब शिवलिंग पर दूध का अभिषेक किया जाने लगा और वहां पर पूजा पाठ शुरू हुआ। जो निरंतर जारी है। बताया कि इस शिवलिंग पर आज भी कुल्हाड़ी के निशान मौजूद है। मुख्य पुजारी के मुताबिक जंगल होने के कारण ये स्वयंभू (भगवान शिव किसी कारणवश स्वयं शिवलिंग के रूप में प्रकट होते हैं) शिवलिंग हमेशा पत्तों से ढका रहता था। इसीलिए मंदिर का नाम महादेव झारखंडी पड़ा। मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष शिवपूजन तिवारी ने बताया कि शिवलिंग के बगल में ही एक विशालकाय पीपल का पेड़ है। ये पेड़ पांच पौधों को मिलाकर एक बना है। इस पीपल की जड़ के पास शेषनाग की आकृति बन गई है। ये आकृति भी लोगों की आस्था का केंद्र है। कोषाध्यक्ष अशोक एवं सचिव राजनाथ यादव ने बताया कि झारखंडी महादेव मंदिर में शिव लिंग खुले आसमान में है। कई बार शिवलिंग के ऊपर छत डालने की कोशिश की गई, लेकिन किसी न किसी कारण से वह पूरी नहीं हुई। उसके बाद शिवलिंग को खुले में ही छोड़ दिया गया है और उसके ऊपर पीपल के पेड़ की छांव ही रहती है।

साथी की पिटाई से नाराज मजदूरों ने काटा बवाल

ओबरा। सी परियोजना का निर्माण कार्य ठप पथराव में डीजीएम और कई सुरक्षाकर्मी जख्मी यूपी के सोनभद्र जिले में निर्माणाधीन ओबरा सी परियोजना में साथी की पिटाई से नाराज मजदूरों ने कामकाज ठप कर कार्यदाई संस्था दक्षिण कोरिया की कंपनी दुसान के महाप्रबंधक कार्यालय पर धावा बोल दिया। यूपी स्थिति को संभालते हुए कुछ लोगों में हिरासत में लिया है। बवाल के बाद से परियोजना का काम ठप हो गया है। इस तरह से शुरू हुआ बवाल ओबरा तापीय परियोजना के विस्तारीकरण में 1320 मेगावाट की ओबरा-सी परियोजना का निर्माण दक्षिण कोरिया दुसान कंपनी करा रही है। शुक्रवार सुबह संविदा कर कई खिड़कियों के शीशे, एसी, सीसी टीवी कैमरे क्षतिग्रस्त कर दिए। महाप्रबंधक की गाड़ी पर भी पथराव किया। हमले में कंपनी के डीजीएम जंग होम जोन को चोट आई। सुरक्षा गार्ड मनीष, पवन कुमार, महेंद्र यादव, अमरनाथ शर्मा, कुलदीप आदि भी घायल हो गए। कर्मचारियों ने दरवाजा बंद कर खुद

के सोनभद्र जिले में निर्माणाधीन 1320 मेगावाट की ओबरा-सी परियोजना में मजदूरों ने शुक्रवार को जमकर बवाल किया। साथी की पिटाई से नाराज मजदूरों ने कामकाज ठप कर कार्यदाई संस्था दक्षिण कोरिया की कंपनी दुसान के महाप्रबंधक कार्यालय पर धावा बोल दिया। करीब एक घंटे तक कंपनी कार्यालय में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की। पथराव से खिड़कियों के शीशे, सीसी टीवी कैमरे, एसी, महाप्रबंधक की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। दक्षिण कोरिया की कंपनी के डीजीएम को भी चोट आई है। कर्मचारियों ने किसी तरह दरवाजे बंद कर खुद को बचाया। मौके पर पहुंची ओबरा पुलिस ने कंपनी (भवानी) में रीडर का काम कर रहे मजदूर शमशेर को बिना सेफ्टी बैंड के हेलमेट लगाए होने पर दुसान कंपनी के सुरक्षा अधिकारी आनंद सिंह ने आपत्ति जताई। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। आरोप है कि इस दौरान शमशेर को सिर में गंभीर चोट आई। मामला ओबरा थाने पहुंचा। दोनों पक्षों के लोग थाने में बैठकर विवाद सुलझाने की कोशिश कर रहे थे। उधर, घटना की सूचना पाकर परियोजना में काम कर रहे मजदूर लामबंद हो गए। कामकाज ठप कर दुसान कंपनी के महाप्रबंधक कार्यालय पर धमक पड़े। पथराव करते हुए सुरक्षा गार्ड और कर्मचारियों की पिटाई शुरू कर दी। मजदूरों ने पथराव को बचाया मजदूरों का गुस्सा देख अन्य कर्मचारियों ने दरवाजा बंद कर खुद को बचाया। करीब एक घंटे तक मजदूरों का पथराव और तोड़फोड़ जारी रहा। सूचना पाकर फोर्स के साथ ओबरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। बवाल कर रहे मजदूरों को समझा-बुझाकर किसी तरह शांत कराया। पुलिस ने विवाद करने वाले आनंद सिंह और शमशेर को हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। देर शाम तक मजदूर काम पर नहीं लौटे थे। घटना को लेकर कोई तहरीर भी नहीं पड़ी थी। ओबरा एसओ मिथिलेश मिश्र ने बताया कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ कर घटना का कारण जानने का प्रयास किया जा रहा है।

निर्माणाधीन ओबरा सी परियोजना में मजदूरों का बवाल

सोनभद्र। निर्माणाधीन 1320 मेगावाट की ओबरा-सी परियोजना में मजदूरों ने शुक्रवार को जमकर बवाल किया। साथी की पिटाई से नाराज मजदूरों ने कामकाज ठप कर कार्यदाई संस्था दुसान के महाप्रबंधक कार्यालय पर धावा बोल दिया। करीब एक घंटे तक कंपनी कार्यालय में तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की। पथराव से खिड़कियों के शीशे, सीसी टीवी कैमरे, एसी, महाप्रबंधक की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। दक्षिण कोरिया निवासी कंपनी के डीजीएम को भी चोट आई है। कर्मचारियों ने किसी तरह दरवाजे बंद कर खुद को बचाया। मौके पर पहुंची ओबरा पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए कुछ लोगों में हिरासत में लिया है। बवाल के बाद से परियोजना का काम ठप हो गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में 25 वर्षी युवक ने लगाई फांसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज के पुरब मोहले में 25 बर्ष युवक नितेश उर्फ छोटू पुत्र राजनारायण ने लगाई फांसी सुचना प्राप्त होते ही कस्बा चौकी इंचार्ज अपनी टिम के साथ पहुंचे शव के पास से सुसाइड नोट मिला अभी सुसाइड नोट का खुलासा नहीं हुआ है शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बबलू हत्याकांडः दोषी मुन्नम तिवारी को उम्रकैद की सजा

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। पांच वर्ष पूर्व आशनाई में हुई बबलू उर्फ सुभाष मौर्य की हत्या के मामले में सत्र न्यायाधीश

अशोक कुमार यादव की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी मुनन्म तिवारी को उम्रकैद एवं 56 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। वहीं अर्थदंड में से 30 हजार रुपये मृतक के पिता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक चोपन थाने में 19 अप्रैल 2017 को दी तहरीर में कुरहुल गांव की प्रेमा देवी पतने छोटक निषाद ने आरोप लगाया था कि उसके घर पर 16 अप्रैल 2017 को परिचित बबलू उर्फ सुभाष मौर्य पुत्र राजेन्द्र प्रसाद मौर्य निवासी बंधवा बाजार, थाना पट्टी, जिला प्रतापगढ़ आया था। 18 अप्रैल 2017 की रात्रि 12:30 बजे गांव के। मुनन्म तिवारी पुत्र नन्हकू तिवारी अचानक उसके घर में घुस आए और जमीन पर सो रहे बबलू के गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। चिल्लाने की आवाज सुनकर जब मौके पर आई तो ढिबरी की रोशनी में मुनन्म तिवारी को देखा। इसके बाद सास, ससुर व बच्चे भी जग गए। इसके पूर्व में भी मुनन्म तिवारी यह धमकी देता था कि अगर घर पर दूसरे को बुलाओगी तो जान से मार देंगे। इस तहरीर पर अभियुक्त मुनन्म तिवारी के विरुद्ध धारा 302, 323, 452 आईपीसी में मुकदमा पंजीकृत किया गया। विवेचना के उपरांत अभियुक्त के विरुद्ध आरोप पत्र प्रेषित किए जाने के उपरांत विचारण सत्र न्यायालय सोनभद्र द्वारा किया गया। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी मुनन्म तिवारी को उम्रकैद एवं 56 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।अर्थदंड न देने पर दो वर्ष की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड जमा किए जाने के उपरांत उसमें से 30 हजार रुपये मृतक के पिता को बतौर प्रतिकर मिलेगा। जिला शासकीय अधिवक्ता ज्ञानेंद्र शरण राय राज्य सरकार की ओर से अपने तर्क रखे।

बाडी खन्न जांच टीम आने की सूचना से क्षेत्रों में फैला सन्नाटा

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में खनन टीम की सूचना खनन व्यवसायी को मिलते ही पुरे खनन क्षेत्र में सुबह से सननटा छाया रहा जहां खदान में कई दर्जन पोपलेन मशिन कम्प्रेसर व हैबी ब्लाटींग का नाजारा देखने को मिलता था वही अचानक से क्षेत्रों में सननटा सा दिखाई देने लगा सूत्रों की मानें तो खनन व्यवसायी व डीजीएमएस तथा खनन विभाग से सीधे तार जुड़ा हैं। जैसे ही खनन व्यसायी को सूचना मिलती है खनन कार्य बंद कर सफाई बर्ती जाती हैं। मानक को ताख पर रख कर काम करने में विभागीय मिली भगत की अहम भूमिका हैं। ऐसे में दोपहर तक सूचना प्राप्त होते ही की खनन

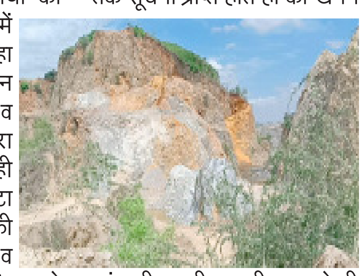

जांच टीम नही आएगी , सुनते ही खनन कार्य धड़ल्ले से 2 बजे के बाद चालू कर दिया गया।

थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित 01 नफर वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधियों की

गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 15.07.2022 को थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग अन्तर्गत धारा-376, 457, 504, 506 भादवि व 3(2)(न) एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर वांछित अभियुक्त राहुल पटेल पुत्र शिवशंकर पटेल, निवासी ग्राम गरदरवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 19 वर्ष को गरदरवा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।गिरफ्तार अभियुक्त-राहुल पटेल पुत्र शिवशंकर पटेल, निवासी ग्राम गरदरवा, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 19 वर्ष ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1- थानाध्यक्ष रविन्द्र प्रसाद, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र । 2- हे0का0 विनोद यादव, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र । 3- का0 तेरसू यादव, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र । 4- का0 चन्दन यादव, थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र ।

सोनभद्र- पत्रकारों पर जनालेवा हमला लोकतन्त्र के चौथे स्तम्भ के हत्या का प्रयास

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र (खलियारी) । रायपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दो पत्रकारों पर ताबड़ तोड़ गोलियां चलाई गई कस्बा खलियारी में दो पत्रकार श्याम सुंदर पाण्डेय व दो शातिर बदमाश फिल्मी स्टाइल मे ताबड़तोड़ गोलियां चलाते हुए निकल गये जिनका अब तक चौबीस घण्टे बीतने के बाद भी पुलिस सुराग नहीं लगा पाई है जिसमें श्याम सुन्दर पाण्डेय के हाथ मे गोली लगी व विजय शंकर

विजय शंकर पाण्डेय चाय की दुकान पर बैठे थे। रात्री लगभग 08:30 बजे दिनांक 14 जुलाई को उसी दौरान एक बाईक से पाण्डेय के मुह पर गोली लगी है दोनों लोगों को ट्रामा सेंटर बीएचयू रेफर कर दिया गया है जहां वो जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं भारतीय युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अधिवक्ता धीरज पांडेय ने लोकतन्त्र के चौथे स्तम्भ पे जानलेवा हमले की घोर निंदा करते हुए कहा कि सोनभद्र में पुलिस और कानून का डर अपराधियो के अंदर से खत्म हो गया है वो खुलेआम पत्रकारों का नाम पूछ कर गोली मारने की घटना को अंजाम दे रहे हैं जो कि साबित करता है की पुलिस प्रसासन व कानून का डर उनके अंदर तनिक भी नही था इस घटना की जितनी निंदा की जाए वो कम है लगातार हो रही घटनाओ से आम जनमानस में भय का माहौल है जब पत्रकार सुरक्षित नही हैं तो आम जनता कैसे सुरक्षित रह पाएगी दैनिक जागरण के पत्रकार श्याम सुन्दर पाण्डेय व अमर उजाला के पत्रकार विजय शंकर पाण्डेय उर्फ लड्डू पाण्डेय को गोली मारी गयी रायपुर थाना क्षेत्र के खलियारी बाजार में साढ़े आठ बजे की यह हृदय विदारक घटना है जिसमे दोनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गम्भीर होने पर उन्हें वाराणसी के बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर किया गया इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए अविलंब हमलावरों को गिरफ्तार किया जाए, पत्रकारों के दवा इलाज का पूरा खर्च सरकार बहन करे और स्वस्थ होने के बाद उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए साथ ही साथ रायपुर थाना अध्यक्ष को लाइन हाजिर करने कि मांग करते हैं।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 31 जुलाई 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

सचिन तेंदुलकर ने इस महान ऑलराउंडर के साथ देखा भारत-इंग्लैंड दूसरा वनडे

नई दिल्ली। फोटो शेयर कर लिखी यह बात मैच के एक दिन बाद 'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर ने ट्विटर पर वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स के साथ एक

तस्वीर साझा की है। तेंदुलकर ने ट्वीट कर कैप्शन में लिखा- लॉर्ड्स में वन एंड ओनली सर गैरी के साथ मैच देखने को मिला भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे वनडे में कई दिग्गज मैच देखने के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। इनमें सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, एमएस धोनी और सुरेश रैना जैसे पूर्व दिग्गज शामिल थे। हालांकि, टीम इंडिया का प्रदर्शन इस मैच में खराब रहा और इन दिग्गजों की उपस्थिति में इंग्लैंड ने 100 रन से हराया। इस हार के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबरी पर आ गई है। मैच के एक दिन बाद 'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर ने ट्विटर पर वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स के साथ एक तस्वीर साझा की है। तेंदुलकर ने ट्वीट कर कैप्शन में लिखा- लॉर्ड्स में वन एंड ओनली सर गैरी के साथ मैच देखने को मिलासर गारफील्ड सोबर्स को महानतम क्रिकेटर्स में से एक माना जाता है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के रूप में भी याद किया जाता है। सोबर्स ने वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट और एक वनडे खेला। सबसे लंबे प्रारूप में उन्होंने 8,032 रन बनाए और 235 विकेट लिए। वहीं अपने इकलौते वनडे में उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला और गेंद से उन्होंने एक विकेट लिया। तेंदुलकर की बात करें तो वह टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। टेस्ट में उन्होंने 15,921 रन बनाए, जबकि वनडे में तेंदुलकर के नाम 18,246 रन हैं। वह वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज थे। तेंदुलकर ने नवंबर 2013 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ वानखेडे स्टेडियम में खेला था।

कोहली को मौका देने पर भड़का पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर

नई दिल्ली। बस स्पॉन्सर्स को खुश करना चाह रहा : पनेसर ने कहा कि फुटबॉल में जब भी रोनाल्डो मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब के लिए खेलते हैं तो हर कोई वह मैच देखता है। विराट कोहली के साथ भी कुछ ऐसा ही हाल है विराट कोहली के खराब फॉर्म को लेकर दुनियाभर में चर्चाएं हो रही हैं। कुछ पूर्व क्रिकेटर्स कोहली के समर्थन में हैं तो कुछ उनके प्लेइंग-11 में शामिल किए जाने का विरोध कर रहे हैं। इसी फेहरिस्त में इंग्लैंड के एक पूर्व क्रिकेटर भी शामिल हो गए हैं। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कोहली को बार-बार टीम में शामिल किए जाने की आलोचना की है। इतना ही नहीं पनेसर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर तीखी टिप्पणी भी की है। एक न्यूज वेबसाइट को दिए

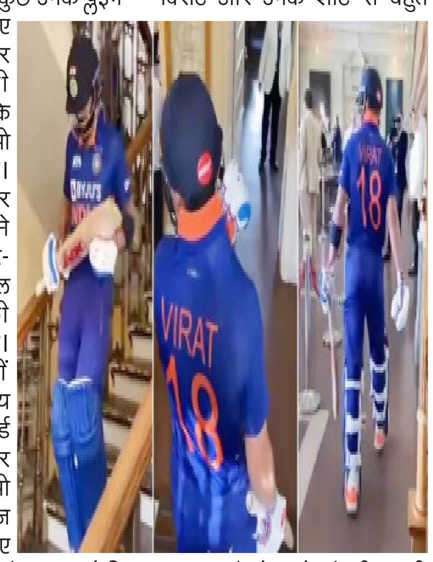

इंटरव्यू में पनेसर ने बताया है कि क्यों बीसीसीआई कोहली को बार-बार मौका दे रहा है। उन्होंने कहा- यह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के जैसा है। जब भी रोनाल्डो मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब के लिए खेलते हैं, हर कोई वह मैच देखता है। विराट कोहली के साथ भी कुछ ऐसा ही हाल है। कोहली की फैन फॉलोइंग बहुत ज्यादा है। ऐसे में उनके खेलने पर ही लोग मैच देखते हैं। पनेसर ने कहा- क्या बीसीसीआई भी दबाव में है? चाहे परिणाम कुछ भी हो और विराट कोहली की भूमिका जो भी हो, स्पॉनसर्स को खुश रखने के लिए विराट को बार-बार मौका मिलना चाहिए यह शायद सबसे बड़ा सवाल है। बीसीसीआई उन्हें मैच में ड्रॉप नहीं कर सकता या उन्हें बाहर निकालने का जोखिम नहीं उठा सकता, क्योंकि इससे उन्हें काफी नुकसान होगा और फाइनेंशियल स्पॉन्सरशिप भी घाटा हो सकता है। पनेसर ने कहा- यहां कठिनाई यह है कि बतौर क्रिकेटर विराट कोहली की ब्रैंड वैल्यू दुनिया में सबसे ज्यादा है। फैन्स उनसे बहुत प्यार करते हैं। हम सभी विराट और उनके शॉट से बहुत प्यार करते हैं। इंग्लैंड में भी उनकी बहुत प्रशंसा की जाती है। हालांकि, बीसीसीआई को बैठकर फैसला करना होगा।वित्तीय दृष्टिकोण से अन्य क्रिकेट बोर्ड्स को भी विराट कोहली के खेलने से काफी फायदा हुआ है। पर अब सवाल यह है कि क्या विराट वास्तव में भारत के लिए अब अच्छे हैं? क्या उनकी कीमत पर भारत टी-20 विश्व कप या 50 ओवर का विश्व कप गंवाने की हिम्मत रखता है? इस समय यह सबसे बड़ा सवाल है। बता दें कि विराट नवंबर, 2019 के बाद से कोई शतक नहीं लगा सके हैं। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे पर भी वह 11, 20, 1, 11 और 16 का स्कोर ही बना पाए हैं।

दिल का दौरा पड़ने के बाद क्रिस्टियन एरिक्सन की शानदार वापसी

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ तीन साल का करार कियाक्रिस्टियन एरिक्सन ने दिल का दौरा पड़ने के बाद शानदार वापसी की है और अपने खेल से फॉर्म और फिटनेस साबित की है। इसके बाद उन्हें मैनचेस्टर यूनाइटेड में खेलने का मौका मिला है। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने डेनमार्क के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियन एरिक्सन के साथ तीन साल का एरिक्सन एक इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफाइब्रिलेटर की मदद से खेल रहे हैं और पिछले सीजन उन्होंने अपनी फॉर्म और फिटनेस दोनों को साबित किया। उन्होंने प्रीमियर लीग में 11 मैच खेले और एक गोल किया, जबकि चार गोल में मदद की। उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइडेट से जुड़ने पर कहा ठमैनचेस्टर यूनाइटेड एक खास क्लब है और मैं इसके साथ टेन हग के ऊपर इस टीम को फिर से मजबूत बनाने की जिम्मेदारी है। एरिक्सन ने कहा ठमैंने एजाक्स में एरिक का काम देखा है और मुझे पता है कि वो और उनका स्टाफ रोज कितनी बारीकी और तैयारी के साथ काम करते हैं। इसमें दो राय नहीं है कि वो एक शानदार कोच हैं। मैंने उनसे बात की है और समझा है कि वो भविष्य में टीम को किस तरह से खेलते देखना चाहते

करार किया है। 30 साल के क्रिस्टियन एरिक्सन ने पिछले साल दिल का दौरा पड़ने के बाद शानदार वापसी की है। यूरोपियन चैंपियनशिप में डेनमार्क के लिए खेलते समय एरिक्सन को मैदान में ही दिल का दौरा पड़ा था। ठीक होने के बाद उन्हें इंटर मिलान क्लब छोड़ना पड़ा था, क्योंकि उन्हें कई तरह की समस्याएं हो रही थीं। शुरुआत का इंतजार नहीं कर सकता। मैं पहले भी कई बार ओल्ड ट्रेफर्ड के मैदान पर खेल चुका हूं, लेकिन यूनाइटेड की लाल शर्ट पहनकर ऐसा करना वाकई खास होगा।दिल का दौरा पड़ने के बाद एरिक्सन ने यूनाइटेड के मैनेजर इरिक टेन हग के साथ काम किया। पिछले सीजन में मैनचेस्टर की टीम छठे स्थान पर रही थी और अब हैं। यह जानकर मैं और भी उत्साहित हूं। अभी भी मेरे कई लक्ष्य हैं, मैं अभी बहुत कुछ हासिल कर सकता हूं और मेरा सफर आगे बढ़ाने के लिए यह सटीक जगह है।हालांकि, कुछ समय पहले ही यह खबर आई थी कि मैनचेस्टर यूनाइटेड के खराब प्रदर्शन के बाद क्रिस्टियानों रोनाल्डो क्लब छोड़ना चाहते हैं।

ओलंपिक स्वर्ण जीतने के 110 साल बाद थोर्पे चैंपियन घोषित

नई दिल्ली। इस वजह से छिन गए थे पदकथोर्पे ने न्यूयॉर्क जाइंटस, सिनसिनाटी रेड्स और बोस्टन ब्रेव्स के लिए पेशेवर बेसबॉल खेली। वह 1931 में एनएफएल के ऑल डिकेट टीम के सदस्य थे। उन्होंने 1928 में 41 साल की उम्र में पेशेवर फुटबॉल

से संन्यास ले लिया। वह प्रो फुटबॉल हाल ऑफ फेम के भी सदस्य रहे। अमेरिका के जिम थोर्पे को 1912 स्टाकहोम ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड की पेटांथलान एवं डेकाथलान स्पर्धा का एकमात्र विजेता घोषित कर दिया गया है। 110 साल पहले उनसे ये स्वर्ण खेलों की गैर-पेशेवर प्रकृ ति के कड़े नियमों के कारण छीन लिए गए थे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने उनके पदक जीतने की 110 वीं सालगिरह पर शुक्रवार को यह घोषणा करने का निणय लिया। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा- हम इस फैसले का स्वागत करते हैं, अंततः एक हल निकल पाया। यह एक असाधारण और अनूठी स्थिति थी। स्टाकहोम में स्वर्ण जीतने के बाद जिम ने न्यूयॉर्क में परेड में भी हिस्सा जिसमें उनका जोरदार स्वागत हुआ था। स्वीडन के किंग गुस्ताव पंचम ने उन्हें समापन समारोह में महानतम एथलीट भी करार दिया था। कुछ महीनों बाद पाया गया कि उन्होंने दो सीजन में बेसबॉल लीग में खेलने का पैसा मिला था। ऐसे में वह एक पेशेवर खिलाड़ी हो गए थे।ओलंपिक में एमेच्योर (गैर-पेशेवर) खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। खेल के बदले पैसा मिलना एमेच्योर प्रवृति के विपरीत माना गया। उनके पदक छीन लिए गए और तब इसे अंतरराष्ट्रीय खेलों का पहला बड़ा स्कैंडल माना गया था। थोर्प की गिनती हमेशा सर्वकालिक महान एथलीटों में होती रही है। उन्हें 1950 में एसोसिएट प्रेस ने अर्द्धशताब्दी का श्रेष्ठ एथलीट चुना था। थोर्पे के दबदबे का यह आलम था कि पेंटाथलान (पांच खेलों की स्पर्धा) में उनके अंक लगभग तीन गुणा और डेकाथलान में दूसरे स्थान पर रहे खिलाड़ी से 688 ज्यादा रहे। जिम का निधन 1953 में हो गया था और उनकी मृत्यु के 29 साल के बाद उनके परिवार को डुप्लिकेट स्वर्ण पदक दिए गए लेकिन उनके रिकॉर्ड को शामिल नहीं किया गया था और न ही दो स्पर्धाओं (पेंटाथलान और डेकाथलान) में उनका विजेता होने का दर्जा घोषित किया गया था। दो साल पहले ब्राइट पाथ स्ट्रांग समूह ने एक याचिका डाली थी जिसमें उन्हें 1912 में दोनों स्पर्धाओं का विजेता घोषित करने की पैरवी की गई थी। अब आईओसी ने उन्हें अधिकृत रिकॉर्ड बुक में शामिल कर लिया है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 16 टीमें तय, इन दो टीमों ने आखिर में क्वालिफाई किया

नई दिल्ली। भारतीय टीम अपना पहला मैच सीधे सुपर-12 राउंड में खेलेगी। भारत के अलावा मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने आईसीसी रैंकिंग के आधार पर डायरेक्ट सुपर-12 राउंड के लिए क्वालिफाई किया। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 16 टीमें तय हो चुकी हैं। गुरुवार को टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफायर-बी के सेमीफाइनल मुकाबले में जिम्बाब्वे ने पापुआ न्यू गिनी और नीदरलैंड ने यूएसए को हरा दिया। अब ये दोनों टीमें क्वालिफायर-बी के फाइनल में आमने-सामने होंगी। हालांकि, फाइनल में पहुंचने पर दोनों ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई भी कर लिया। आईसीसी ने इसकी पुष्टि की। क्वालिफायर-बी के मुकाबले 11 से 17 जुलाई के बीच जिम्बाब्वे में खेले जा रहे हैं। 17 जुलाई को फाइनल खेला जाएगा। वहीं, इससे पहले 18 से 24 फरवरी तक क्वालिफायर-ए के मुकाबले खेले गए थे। क्वालिफायर-ए से आयरलैंड और यूनाइटेड अरब अमीरात की टीमों ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया था। क्वालिफायर-ए के मुकाबले ओमान में खेले गए थे। क्वालिफायर-बी से दो टीमें मिलने के बाद 16 टीमें तय हो गई हैं। ऑस्ट्रेलिया मेजबान होने की वजह से पहले ही टी-20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुका है। वहीं, बाकी 11 टीमें अफगानिस्तान, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, नामीबिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज हैं। इसके अलावा क्वालिफायर से मिलने वाली टीमें आयरलैंड, यूएई, नीदरलैंड और जिम्बाब्वे हैं। इस साल टी-20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्तूबर से 13 नवंबर तक खेला जाएगा। पहले छह दिन यानी 16 से 21 अक्तूबर तक टूर्नामेंट के पहले दौर

के मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दौर में श्रीलंका और वेस्टइंडीज जैसी टीमों को क्वालिफायर टीमों से भिड़ना होगा। उसके बाद 22 अक्तूबर से सुपर-12 के मुकाबले शुरू होंगे। सुपर-12 का पहला मुकाबला 2021 टी-20 वर्ल्ड कप की दो फाइनलिस्ट टीमें, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। वहीं, भारतीय टीम अपना पहला मैच सीधे सुपर-12 राउंड में खेलेगी। भारत के अलावा मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने आईसीसी रैंकिंग के आधार पर डायरेक्ट सुपर-12 राउंड के लिए क्वालिफाई किया। भारत सुपर-12 स्टेज का अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्तूबर को खेलेगा। यह हाई वोल्टेज मुकाबला मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया अपने अगले सुपर-12 के मैच 27 अक्तूबर, 30 अक्तूबर, दो नवंबर और छह नवंबर को खेलेगी। टी-20 विश्व कप के सुपर-12 राउंड के लिए टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। पहले ग्रुप (ग्रुप-1) में अभी इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान की टीम है। वहीं ग्रुप-2 में भारत, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश है। इन आठ टीमों के अलावा चार और टीमें पहले राउंड के नतीजे के बाद सुपर-12 राउंड में पहुंचेंगी। सुपर-12 के मैच छह नवंबर तक खेले जाएंगे। इसके बाद नौ और 10 नवंबर को दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं सिंधु, साइना नेहवाल और प्रणय बाहर

नई दिल्ली। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से पहले सिंधु का यह आखिरी टूर्नामेंट है। वह इसे जीतकर अपनी तैयारियों को पुख्ता करना चाहेंगी। सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला गैर-वरीयता प्राप्त सायेना कावाकामी से होगा। भारत की स्टार शटलर और दो ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने शुक्रवार (15 जुलाई) को सिंगापुर ओपन

सुपर 500 टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में शानदार जीत हासिल की। उन्होंने चीन की हॉन यू को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया। दूसरी ओर, साइना नेहवाल कड़े मुकाबले में जीतते-जीतते हार गईं। वहीं, पुरुष एकल में एचएस प्रणय को शिकस्त मिली। सिंधु ने 62 मिनट तक चले मुकाबले में हॉन यू को 17-21 21-11 21-19 से हराया। विश्व की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधु को पहले गेम में हॉन यू ने हरा दिया था। इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी की और अगले दोनों गेम जीतकर मैच को अपने नाम किया। सिंधु ने चीन की इस खिलाड़ी तीसरी बार हराया है। उन्हें हॉन यू के खिलाफ अब तक हार नहीं मिली है।सिंधु मई में थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। उसके बाद से वह पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम-4 में पहुंची हैं। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से पहले सिंधु का यह आखिरी टूर्नामेंट है। वह इसे जीतकर अपनी तैयारियों को पुख्ता करना चाहेंगी। सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला गैर-वरीयता प्राप्त सायेना कावाकामी से होगा। जापान की 38वीं रैंक की इस खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवांग को 21-17, 21-19 से हराकर उलटफेर किया था। पहला गेम हारने के बाद साइना ने की थी वापसी साइना नेहवाल ने क्वार्टरफाइनल में जापान की आया ओहोरी के खिलाफ 13-21, 21-15, 20-22 से हार गईं। ओहोरी ने पहले गेम में साइना को आसानी से 21-13 से हरा दिया। ऐसा लग रहा था कि साइना मैच में कहीं नहीं टिक रहीं, लेकिन उन्होंने दूसरे गेम में वापसी की। साइना ने ओहोरी को चौंकाते हुए दूसरा गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया। तीसरे गेम में साइना ज्यादातर समय आगे थीं। अंत में ओहोरी ने बाजी पलट दी। साइना 20 पॉइंट तक आगे थीं। ओहोरी ने लगातार तीन अंक हासिल करते हुए गेम को 22-20 से अपने नाम कर लिया।प्रणय को नाराओका ने हराया एचएस प्रणय को जापान के कोदाई नाराओका ने तीन गेमों तक चले मुकाबले में हरा दिया। प्रणय ने 62 मिनट तक चले मुकाबले में पहला गेम 21-12 से अपने नाम कर लिया था। प्रणय दूसरे गेम में लय बरकरार नहीं रख सके उन्होंने 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे गेम में प्रणय की शुरुआत काफी खराब रही। ब्रेक तो वह बहुत पीछे हो चुके थे। ब्रेक के बाद प्रणय ने वापसी की अपने स्कोर को 18 तक पहुंचाया, लेकिन यह काफी नहीं था। नाराओका ने गेम को 21-18 से जीत लिया। इस तरह उन्होंने मुकाबले को 12-21, 21-14, 21-18 से अपने नाम कर लिया।अर्जुन और कपिला की जोड़ी हारी पुरुष युगल में भारत के एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। दोनों को इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान और हेंद्रा सेतियावेन की जोड़ी ने हराया। अर्जुन और ध्रुव कपिला ने पहला गेम जीतकर शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अपने लय को बरकरार नहीं रखा सके। अहसान और सेतियावेन ने दूसरे और तीसरे गेम को जीतकर मुकाबले को 10-21, 21-18, 21-17 से अपने नाम कर लिया।

राशीफल

मेष-:आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-:आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-:कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-:आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-:बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-:आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-:आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-:अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-:आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-:अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

सम्पादकीय

जनता के संदेश को समझने की जरूरत

श्रीलंका में विद्रोह की लपटें पिछले तीन चार महीनों से उठने लगी थीं। हालात धीरे धीरे बेकाबू होते जा रहे थे। चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के भयानक जाल में बुरी तरह उलझ चुके इस देश के सत्ताधारियों ने आम जनता की सुध नहीं ली, उनकी रोजमर्रा की तकलीफों के बारे में नहीं सोचा और उन्हें भूखे, प्यासे और अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। इस बार ये आग रामभक्त हनुमान की पूंछ ने नहीं लगाई है, क्योंकि अब न तो लंका सोने की रह गई है और न पीतल की। अब लंका को जलाने वाली खुद वहां की बदहाल, परेशान जनता है जो लंबे समय से भूख, गरीबी और भीषण महंगाई के बीच जीने को अभिशप्त हो गई है। महंगाई तो छोड.िए, वहां के सत्ताधारियों ने जनता के लिए कुछ छोड़ा ही नहीं है। तमाम तीसरी दुनिया के देश कर्ज लेते हैं और तकरीबन हर देश अमेरिका, चीन, जापान, रूस जैसे विकसित देशों के कर्जजाल में फंसा हुआ है। पाकिस्तान हो नेपाल हो, बांग्लादेश हो या फिर श्रीलंका, इन अमीर देशों की नजर में भारतीय उपमहाद्वीप के इन देशों को अपना आर्थिक गुलाम बनाने की प्रक्रिया बदस्तूर जारी रहती है। रिश्ते बेहतर बनाने और मदद के नाम पर यहां के हर सत्ताधारी विकास का हवाला देकर इस चक्रव्यूह में फंसते हैं और इसका खामियाजा उठाती है- वहां की जनता। अगर आपका प्रबंधन ठीक नहीं है तो हालात श्रीलंका जैसे होने में वक्त नहीं लगता। श्रीलंका में विद्रोह की लपटें पिछले तीन चार महीनों से उठने लगी थीं। हालात धीरे धीरे बेकाबू होते जा रहे थे। चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के भयानक जाल में बुरी तरह उलझ चुके इस देश के सत्ताधारियों ने आम जनता की सुध नहीं ली, उनकी रोजमर्रा की तकलीफों के बारे में नहीं सोचा और उन्हें भूखे, प्यासे और अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। जाहिर है विद्रोह होना ही था। इसकी भूमिका महीनों से बन रही थी। शनिवार को इसकी पराकाष्ठा थी और आगे भी तबतक रहेगी जबतक कोई कारगर सरकार नहीं बन जाती। राष्ट्रीय सरकार बनाने के लिए रास्ते खोले गए हैं लेकिन इससे भी स्थितियां कितनी सुधरेंगी कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो लोगों का जो गुस्सा है वो देश से भागे मौजूदा राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के खिलाफ है। उन्हें लगता है कि हमारे पैसों पर ये नेता एय्यशी कर रहे हैं और हम भूखे मरने को मजबूर हैं। इसी गुस्से का इजहार राष्ट्रपति निवास में घुसे हजारों लोगों की भीड़ ने किया.. बेडरूम से लेकर, स्वीमिंग पूल तक और पूरे परिसर में इनका कब्जा यूं ही नहीं हो गया। पीएम आवास को यूं ही नहीं जला दिया गया। अप्रैल में भी ऐसे हिंसक प्रदर्शन हुए थे। राष्ट्रपति निवास के सामने आगजनी हुई थी। राजपक्षे ने डर कर अपना निवास छोड़ दिया था और कोलंबो फोर्ट में रहने लगे थे। इस बार तो वो देश से ही भाग गए। श्रीलंका में विद्रोह की ऐसी तस्वीरें पहले किसी ने नहीं देखी होंगी। शायद किसी देश में ऐसा नहीं हुआ कि राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री निवास पर सीधे तौर पर कब्जा करने और आग लगाने की ऐसी कोशिश हुई हो। नेपाल में राजशाही के खात्मे के वक्त वहां के राजमहल पर कब्जा हुआ था और तत्कालीन राजा को भागना पड़ा था, लेकिन वहां भी ऐसा भयानक मंजर नहीं आया था। सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुक्मरानों पर हमले भी कई दफा हुए, हत्याएं हुईं, लेकिन जनता का ऐसा सैलाब कभी नहीं उमड़ा। दुनिया के तमाम देश इस वक्त भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं, खासकर तीसरी दुनिया के देशों में हालात हमेशा से खराब रहे हैं। आंदोलन तो तमाम चलते ही रहे हैं, सत्ता पलटने की कोशिशें भी हुई हैं, लेकिन करीब सवा दो करोड़ की आबादी वाले श्रीलंका में पिछले तीन महीनों से जो हालात बन रहे थे, शनिवार को उसकी परिणति कुछ इस तरह हुई कि दुनिया देखती रह गई। देश में बेहद गहरे होते आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका में 'गोटा गो होम' (गोतबया वापस जाओ) आंदोलन की जिस तरह तीन महीने पहले शुरुआत हुई, तब से ये लगातार पूरे देश में फैलता गया और इसका विस्तार इस कदर हुआ कि आम जनता ने सत्ताधारियों को पूरी आक्रामकता के साथ ये संदेश दे दिया कि जनता भूखी रहे, महंगाई में पिसती रहे, ऐसे में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ऐशो आराम के साथ सरकार में नहीं बैठे रह सकते। जनता ने ही उन्हें सत्ता पर बैठाया है तो उस 'ऐशो आराम' की हकदार जनता भी है। शनिवार को ये आंदोलन और इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन तो पहले से तय था, लेकिन उसका यह रूप होगा, यह नहीं सोचा गया था।

वृक्ष नहीं तो धरती पर जीवन भी नहीं आइए इस बारिश का स्वागत करें

बरसात का मौसम शुरू होते ही देशभर में वन महोत्सव, हरियाली और हरेला नाम से क्षेत्र विशेष की भाषा और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार वृक्षारोपण पर्व मनाए जा रहे हैं। बरसात का मौसम शुरू होते ही देशभर में वन महोत्सव, हरियाली और हरेला नाम से क्षेत्र विशेष की भाषा और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार वृक्षारोपण पर्व मनाये जा रहे हैं। बरसात का यही सीजन है जिसमें पौधों को अपने बाल्यकाल में पर्याप्त जल के साथ ही वातावरण में नमी और तापमान मिल जाता है। भले ही पौधारोपण के ये कार्यक्रम प्रचार, पुरस्कार और औपचारिकता के लिये ज्यादा होते हैं, फिर भी विकास के नाम पर वनों के विनाश के बीच समाज में वृक्षारोपण के प्रति ऐसी जागरूकता आशा की एक नई किरण जरूर दिखाती है। क्योंकि वृक्ष नहीं तो मानव जीवन भी संभव नहीं है। मानव ही नहीं बल्कि बिना पादप या वनस्पति के इस धरती पर जीवन ही संभव नहीं है। वृक्षों लिए अमृता समेत सेकड़ों ने गंवाए थे प्राण हमारे देश में वृक्षों के प्रति पहली बार चेतना जागृत नहीं हो रही है। चण्डी प्रसाद भट्ट और सुन्दरलाल बहुगुणा मानव जीवन के लिए वनों और पर्यावरण चेतना को लेकर भारत को विश्वगुरू के रूप में स्थापित कर चुके हैं। उनसे भी पहले भारत के पहले केंद्रीय कृषि और खाद्य मंत्री के.एम. मुंशी सन् 1950 में वन संरक्षण और पेड़ लगाने के लिए लोगों में उत्साह पैदा करने के लिए वन महोत्सव की शुरुआत कर चुके थे। यह त्योहार भारत के विभिनन्न हिस्सों में अलग-अलग दिनों में मनाया जाता है। के. एम. मुंशी से भी पहले सन 1730 में अमृता देवी विशनई वृक्षों की रक्षा के लिये सेकड़ों लोगों के साथ बलिदान देकर दुनियां में ऐसी मिसाल पेश कर चुकी हैं जो न भूतो और न भविष्यति है। वास्तव में सन 1730 में राजस्थान के मारवाड़ में खेजड़ली में जोधपुर के महाराजा द्वारा हरे पेड़ों को काटने से बचाने के लिए, अमृता देवी विशनई ने अपनी तीन बेटियों आसू, रतने और भागू के साथ अपने प्राण त्याग दिए। उनके साथ 363 से अधिक अन्य बिशनेई , खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए मर गए। विशनेई समाज आज भी वृक्षों और वन्यजीवों के संरक्षण के लिये विश्व

के लिये एक उदाहरण है। के.एम.मंशी ने शुरू किया था वन महोत्सव वृक्षों के लिये सपरिवार अपने प्राण गंवाने वाली अमृता देवी का कहना था कि ''अगर किसी के सिर की कीमत पर भी एक पेड़ बचाया जाता है, तो यह इसके लायक है।'' यही कारण है कि भारत में पेड़ों से जुड़े इतने सारे त्यौहार हैं। उनमें से एक वन महोत्सव दिवस या वन दिवस है। इसे धरती मां को बचाने के ऊंचे उद्देश्य से धमन्युद्ध के रूप में आजादी के तत्काल बाद के.एम. मंशी ने शुरू किया था। लेकिन समाज में ऐसे भी तत्व हैं जिनको समाज या मानवता से नहीं बल्कि केवल अपने निजी हितों से मतलब है या जिनकी नजर में प्रकृति गौण और विकास की चकाचैंध अधिक महत्वपूर्ण है। कुछ लोग जब अपनी आजीविका के लिये दूसरों की हत्या का पेशा अपना सकते हैं तो वन तस्करों के लिये पेड़ों की हत्या गाजर मूली काटने के समान ही है। झूम खेती करने वालों की तरह कुछ के लिये पेड़ काटना आजीविका के लिये जरूरी है तो कुछ अज्ञानतावश पेड़ काट कर खेती करते हैं।वास्तव में हम एक वृक्ष का मूल्य केवल उसकी लकड़ी या ज्यादा से ज्यादा उसके फल और घास से आंकते हैं। जबकि उसका इससे भी कहीं अधिक परोक्ष महत्व है जो दिखाई नहीं देता है। वृक्ष वातावरण से कार्बनडाइऑक्साइड सोखते हैं और ऑक्सीजन हवा में छोड़ते हैं। ऑक्सीजन को प्राणवायु कहा जाता है। अगर वातावरण में ऑक्सीजन ही नहीं रहेगी तो जीवन संभव नहीं है। बिना ऑक्सीजन के आदमी कुछ ही मिनटों में प्राण त्याग देता है।इसी प्रकार वृक्ष को जीने के लिये कार्बनडाइऑक्साइड की जरूरत होती है। ऑक्सीजन देने के अलावा, पेड़ पर्यावरण से विभिनन्न हानिकारक गैसों को भी अवशोषित करते हैं जिससे ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव कम होता है। इसे कार्बनस्टॉक के रूप में आंका जाता है। देश के जंगल में कुल कार्बन स्टॉक 7,204 मिलियन टन होने का अनुमान है और 2019 के अंतिम आकलन की तुलना में देश के कार्बन स्टॉक में 79.4 मिलियन टन की वृद्धि मानी गयी है। कार्बन स्टॉक में वार्षिक वृद्धि 39.7 मिलियन टन बताया गया है। प्रकृति ने वनस्पति और जीवधारियों के लिये ये ऐसा रिश्ता तय किया है जो कि अटूट है और अगर इसे तोड़ा गया तो दोनों का ही अस्तित्व नहीं है। आज जो कुछ हमारे पास है वह जंगल से ही मिला है आज हम भोजन के रूप गेहूं की रोटी या चावल खाते हैं तो गेहूं और धान कभी जंगल की उपज ही रही होगी। इसी तरह रोटी और भात के साथ सब्जियों और दालों का मूल श्रोत भी जंगल ही है। जनजातियां तो आज भी भोजन के लिये वनोपज पर निर्भर हैं। हमारे दैनिक जीवन के उपयोगी पशु जैसे भैंस, गाय, घोड़ा, कुत्ता आदि इन सभी का मूल भी तो वन ही हैं। हमने तो हाथी को भी अपने मतलब के लिये पालतू बना दिया। पैसे कमाने के लिये शेर और बाघ को भी पिंजरे में बंद कर दिया था जिसे अब जा कर अदालत ने सर्कसों के पिंजरों से उन्हें आजाद किया। लेकिन वन्य जीवों और उनके अंगों की तस्करी अब भी चल रही है। जीवधारी वनों को फैलाते भी हैं पेड़ हमें भोजन और आश्रय भी प्रदान करते हैं। कई पेड़ों के फल पक्षियों और जानवरों के भोजन के काम आते हैं और जीव उनके बीज फैला कर वृक्ष के पुनर्जीवन में मदद करते हैं। पेड़ों की पत्तियों, जड़ों और छाल का उपयोग दवाओं को तैयार करने के लिए किया जाता है। जंगली पादप जातियों में छिपे औषधीय गुणों की सहायता न मिली होती तो संसार के अनेक क्षेत्रों में प्रलय की जैसी स्थिति होती। सर्पगन्धा, नयनतारा, गिलॉय एवं रतालू वंश के जैसे अनगिनत पौधों ने मनुष्य के रोग निवारण में जो योगदान दिया वह किसी से छिपा नहीं है। भोजन के साथ जीवन रक्षा के लिये औषधि भी देते हैं वृक्ष पेड़ जानवरों और मनुष्यों को भी आश्रय प्रदान करते हैं। विशाल, घने वृक्षों से भरे जंगल जंगली जानवरों के आवास के रूप में काम करते हैं और समृद्ध जैव विविधता के लिए योगदान करते हैं। पेड़ों से निकाली गई लकड़ी और अन्य सामग्री का उपयोग कई चीजों को शिल्प करने के लिए किया जाता है जो एक आरामदायक जीवन के लिए आवश्यक हैं। पेड़ पर्यावरण को शांत और खुशनुमा भी बनाते हैं। संकट में वृक्ष जान बचाने को भाग भी नहीं सकते पादप और जीवधारी भले ही एक दूसरे के पूरक हों मगर जीवधारियों से अधिक संवेदनशील पादपों का जीवन है, इसीलिये आज बड़ी संख्या में कुछ पादप प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं, कुछ संकटापनन्न हैं और कुछ बिल्कुल विलुप्ति की कगार पर हैं। वनस्पतियों या वृक्षों की समस्या यह है कि अधिकांश पौधे भूमि पर ही उगते हैं। वे वनागिन्न जैसे संकट के समय जान बचाने के लिये भाग नहीं सकते। मूक खड़े रह कर नष्ट हो जाना उनकी नियति है। वे जीवों की तरह हमलावरों से प्रतिकार नहीं कर सकते। यदि उनकी संख्या कम हो जाय तो परागण, संगति या प्रजनन के लिये वे कहीं जा कर सहायता नहीं ले सकते। वनावरण का लक्ष्य अभी काफी दूर है भारत का भारत में वनावरण तो बढ़ा है मगर वन नीति 1988 के अनुरूप लक्ष्य अभी बहुत दूर है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में कुल वन क्षेत्र कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.71 प्रतिशत है, जबकि 2019 में 21.67 प्रतिशत और 2017 में 21.54 प्रतिशत था। लेकिन वन नीति में मैदानी क्षेत्र के लिये कम से कम 33 प्रतिशत और पहाड़ी क्षेत्र के लिये 67 प्रतिशत वनावरण की आवश्यकता महसूस की गयी है। उत्तराखण्ड जैसा पहाड़ी राज्य 45 प्रतिशत वनावरण के आसपास ठहरा हुआ है। सर्वाधिक जैव विविधता वाले पूर्वोत्तर में वनावरण घटता जा रहा है। वन रिपोर्ट के अनुसार, प्राकृतिक आपदाओं, पेड़ों की कटाई, विकासात्मक गतिविधियों और स्थानांतरित कृषि के कारण वनावरण नष्ट होता है। डिस्क्लेमर (अस्वीकरण): यह लेखक के निजी विचार हैं। आलेख में शामिल सूचना और तथ्यों की सटीकता, संपूर्णता के लिए अमर उजाला उत्तरदायी नहीं है।

प्रकृति से कदमताल का खास पर्व, वनों और हरियाली को अक्षुण्ण बनाए रखने की जिम्मेदारी

हरेला की परंपरा यह रही है कि परिवार के मुखिया एक टोकरी में मिट्टी डालकर उसमें गेहूं, जौ, मक्का, उड़द, गहत, सरसों, चना बो देते हैं। नवें दिन डिकर पूजा यानी गुड़ाई होती है। दसवें दिन हरेला काटा जाता है। देवी-देवताओं को अर्पित करने के बाद आशीर्वादस्वरूप उसे परिवार के सभी सदस्यों के सिर पर रखा जाता है। देवभूमि उत्तराखंड के लोगों के लिए जीवन का अर्थ है प्रकृति से तादात्म्य, जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण है हरेला पर्व। यह राज्य का राजकीय पर्व भी है । हरेला की परंपरा यह रही है कि परिवार के मुखिया एक टोकरी में मिट्टी डालकर उसमें गेहूं, जौ, मक्का, उड़द, गहत, सरसों, चना बो देते हैं। नवें दिन डिकर पूजा यानी गुड़ाई होती है और दसवें दिन हरेला काटा जाता है। देवी-देवताओं को अर्पित करने के बाद आशीर्वाद स्वरूप उसे परिवार के सभी सदस्यों के सिर पर रखा जाता है। कान के पीछे झूमती हरी-हरी लंबी पतली हरेला की पत्तियां दिनभर पर्व का सूचक बनी झूमती रहती हैं। कहा जाता है कि 'जी रिया जागि रया, यो दिन-मास भेंटने रया' मतलब कि जीते-जागते रहें, यह दिन-महीने आपसे यूं ही भेंटने आते रहें। जब तक आबादी कम, जमीन ज्यादा, सुविधाएं क्षीण थीं तब तक यह पर्व स्वाभाविक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता था, जरूरी भी था। गमिन्यों में घड़े का सा ठंडा और सदिन्यों में गुनगुनी तासीर वाला पानी प्राकृतिक रूप से तो आखिर बांज के घाट पर ही मिल पाना संभव था ना ? पहाड़ में बिजली ही नहीं तो फिर एसी, पंखा, कूलर की बात कौन कहे ? ये पेड़ भी ना हों तो कौन फर्क कर पाएगा रेगिस्तान की गर्मी और पहाड़ की बर्फ जैसी सर्दी में। कहां कोई अस्पताल, कोई डॉक्टर, कोई दवा बनी पिछले जमाने में पहाड़ों के लिए? इसीलिए तो क्षय रोग था हर घर में किसी न किसी को निगलने को आतुर। छह महीने के निर्वासन में वन में गए रोगी को चीड़ और देवदार के पेड़ों की हवा ही संभालती थी। आखिरी सांस गिनते मरीज के भी मौत के मुंह से लौट आने का कमाल ही था कि भवाली में एशिया के सबसे बड़े टी.बी सेनिटोरियम की स्थापना हो गई। गढ़वाल में ग्वीराल, कुमाऊं में क्वीराल और मैदानी इलाके में कचनार कहे जाने वाले वृक्ष की फलियों, छाल, फूल का सेवन भी अमृत से कम नहीं। शरीर में कहीं भी कैंसर जैसी गांठ हो जाए तो उसे गलाने और रक्त विकारों से निजात पाने के लिए कचनार है ना! इसके नियमित उपयोग से बदन खुद कचनार ना हो जाए तो कहिए। तभी तो अपने बैंगनी, गुलाबी फूलों के साथ यह जगह-जगह खड़ा मिल जाता था तब। इसी तरह सेमल भी है, सब्जी बनाइए इसके फलों की तो स्वाद ऐसा कि मुर्गा, मछली में स्वाद तलाशने वालों को भी विमुक्त कर दे मांसाहार से। शरीर को निरोगी रखने वाले कई गुणों की खान भी है यह लाल फूल वाले पेड़ का फल 'सेमल डोडा'। पेड़ तो पेड़, झाड.ियां भी उपयोगी हैं। यह जानकर घर के आस-पास बसिंग की झाड.ियों को काटा नहीं जाता था। सफेद मीठे फूल और कड़वी पत्ती वाले बसिंग की सब्जी मधुमेह के लिए रामबाण मानी जाती है। बस इसे कुशलतापूर्वक पकाने की कला आनी चाहिए। बसिंग की तरह ही हैं जगह-जगह खड़ी कढीपत्ते की झाड.ियां। खुशबू के कारण पहाड़ में भले ही उसे गंधेलू जैसा मामूली-सा नाम दिया गया हो, मगर है यह बड़े काम का। इसकी नौ पत्तियों का प्रतिदिन सेवन मोटापा से लेकर मधुमेह तक को भी मात देता है। झोई या कढ़ी, पोहा, फ्राइड राइस, बैंगन की सब्जी किसी भी व्यंजन में इसकी पत्तियों का तड़का स्वाद में चार चांद लगा देता है। वन ही वैद्य और वनस्पतियां दवाई हक़ीक़त यह है कि पहाड़ के रहवासियों के लिए वन ही वैद्य और वनस्पतियां ही दवाई साबित होती आ रही हैं आजतक। इतना होने के बाद भी विडंबना ही है कि सन सत्तर के बाद ही गौरा देवी, सुंदरलाल बहुगुणा, चंडी प्रसाद भट्ट या अनिल जोशी जैसे नाम इस हरित प्रदेश में पर्यावरणविद के तौर पर जोर-शोर से उभरे। बढ़ती जनसंख्या के कारण घर बसाने या विकास के कार्यों के लिए कहीं न कहीं ज़मीन तो चाहिए, लेकिन जीवनदायी हरियाली की कीमत पर नहीं। हाल के वर्षों इस देवभूमि में ही नहीं, इस पूरे हिमालय क्षेत्र में पर्यटकों की लगातार बढ़ती भीड़ और उसकी वजह से फैल रही गंदगी, आवागमन की सुविधाओं के लिए टूटते पहाड़ों और कटते पेड़ों की वजह से पर्यावरण में भारी बदलाव आने लगा है। गर्मी बढ़ रही है और ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। ग्लेशियर के पिघलने की यह रफ्तार हाल के वर्षों में कई जलप्रलयों का कारण बना है। पर्यटकों की संख्या हम रोक नहीं सकते, विकास कार्य भी चलते ही रहेंगे। अब आने वाली किसी तबाही से हिमालय क्षेत्र को कोई बचा सकता है तो वे पेड़ ही हैं। प्रदेश में वनों और हरियाली को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए शहर-शहर, गांव-गांव में हरेला पर्व की प्रासंगिकता और जरूरत आज हमेशा से ज्यादा है, शायद इसीलिए उत्तराखंड की सरकार इसे संरक्षण भी दे रही है और विस्तार भी।सुविख्यात रंगकर्मी और लेखक स्वर्गीय उर्मिल कुमार थपलियाल के बहुत पहले पढ़े गए संस्मरण का एक अंश मेरे दिलोदिमाग में आज भी घूमता है।

जानिए ऐसा क्यों कह रहे हैं पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबर

मक्या देश में सचमुच कोई ऐसा मध्य वर्ग है, जिसमें सांविधानिक सुधार, सरोकार और सुरक्षा से जुड़े मूल्य हैं? अखबार पढ़ते हुए, नेटफ्लिक्स से चिपके रहकर और आईपीएल से मनोरंजन करते हुए, मध्य वर्ग ने स्वेच्छा से खुद को राष्ट्रीय विमर्श से अलग कर लिया है। कभी-कभी मैं सोचता हूं कि क्या भारत में सचमुच कोई ऐसा मध्य वर्ग है, जिसमें सांविधानिक

सुधार, सरोकार और सुरक्षा से जुड़े मध्य वर्गीय मूल्य हैं। मुझे पता है कि ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके पास वे मूल्य हैं, लेकिन एक 'वर्ग' के रूप में वे मूल्य आज काफी हद तक अनुपस्थित हैं। देखा जा सकता है कि स्वतंत्रता आंदोलन इसके उलट था। 19 वीं सदी के भारत में अमीर लोगों की संख्या बहुत कम थी और बाकी लोग गरीब थे। पश्चिमी शिक्षा प्रणाली के आगमन– विशेष रूप से अंग्रेजी में पढ़ाई और अंग्रेजी की पढ़ाई– और पश्चिमी कानून व्यवस्था से एक शिक्षित मध्यवर्ती वर्ग उभरा और यही आगे चलकर मध्य वर्ग बना। पहली बार शिक्षकों, डॉक्टरों, वकीलों, जजों, सरकारी कर्मचारियों, सैन्य अधिकारियों, पत्रकारों और लेखकों का बौद्धिक वर्ग उभरा, जिसने मध्य वर्ग के मूल का गठन किया। स्वतंत्रता संघर्ष का नेतृत्व करने वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में कुछ थोड़े से नेताओं को छोड़कर अधिकांश नेता मध्य वर्ग से ही आए थे। इनमें नौरोजी, गोखले, लाजपत राय, तिलक, सीआर दास, राजेंद्र प्रसाद, पटेल, आजाद, राजगोपालाचारी, सरोजनी नायडू, कल्पन्न और पोट्टी श्रीरामुलु जैसे कुछ उल्लेखनीय नाम शामिल थे। अपनी किताब हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया में डॉ. तारा चंद ने कहा है, 'लोगों में राष्ट्रीय चेतना फैलाने, राष्ट्रीय आजादी के आंदोलन को संगठित करने और अंततः देश को विदेशी शासन से मुक्त करवाने का श्रेय इसी वर्ग को दिया जाना चाहिए।' अग्रिम मोर्चे पर इन नेताओं के आह्वान पर लोग सामने आते थे।

2023 का शिखर सम्मेलन जम्मू-कश्मीर में, चीन-पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ा

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का रुतबा बढ़ता ही जा रहा है। जी-20 जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों के संगठन की अध्यक्षता दिसंबर, 2022 से भारत संभालने जा रहा है! दुनिया की 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के संगठन जी-20 का 2023 का शिखर सम्मेलन जम्मू-कश्मीर में करने की तैयारी को देखते हुए पाकिस्तान और चीन बौखला उठा है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सरकार ने बीते 23 जून को शिखर सम्मेलन के आयोजन को लेकर पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। पाकिस्तान और चीन का कहना है कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है, इसलिए भारत को वहां जी-20 जैसा अंतरराष्ट्रीय आयोजन करने का अधिकार नहीं है। चूंकि इन दोनों देशों का नजरिया भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रहा है, इसलिए ऐसी प्रतिक्रियाएं नई नहीं हैं। नई बात यह है कि इस बार भारत सरकार का रुख रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दलाई लामा को, जिन्हें चीन अपना शत्रु मानता है, जन्मदिन पर फोन करके बधाई दी। जाहिर है, प्रधानमंत्री के इस रुख से चीन चिढ़ गया और उसने तुरंत प्रतिक्रिया दी कि भारत को दलाई लामा के चीन-विरोधी अलगाववादी स्वभाव को पहचानना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत

का रुतबा बढ़ता ही जा रहा है। जी-20 जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों के संगठन की अध्यक्षता दिसंबर, 2022 से भारत संभालने जा रहा है! चीन की बौखलाहट इसलिए भी है कि वह अभी तक भारत को कमजोर पड़ोसी मानता था, जिसकी 38 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि पर आक्साइ चिन क्षेत्र में उसने कब्जा किया हुआ है! वर्ष 2017 में वह भारत के सिलीगुड़ी गलियारे पर कब्जा करने के सपने देख रहा था, ताकि हमारे उत्तर पूर्वी राज्यों को देश की मुख्य भूमि से काटकर उन पर तिब्बत की तरह कब्जा कर सके! परंतु भारत ने उसके इरादों और सपनों पर पानी फेर दिया है! वह अरुणाचल प्रदेश और पूर्वी लद्दाख के क्षेत्रों पर भी दावा करता है और समय-समय पर घुसपैठ एवं झड़प को अंजाम देता है। सिलीगुड़ी गलियारे पर कब्जा करने की उसकी चाल को विफल कर भारतीय सेना ने उसे करारा जवाब दिया है। वर्ष 2019 में मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे पूरी दुनिया में यह संदेश गया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिनन्न हिस्सा है, और विवादित क्षेत्र केवल वह है, जिन पर पाकिस्तान और चीन का अवैध कब्जा है! पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति काफी बदहाल है। ऐसे में भारत के साथ वह एक दिन भी युद्ध करने की स्थिति में नहीं है। उसे चीन पर भरोसा है। इसी कारण चीन ने 2019 में भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर में सांविधानिक सुधारों के लागू होने के तुरंत बाद पाकिस्तान की शह पर पूर्वी लद्दाख के गलवान क्षेत्र में अचानक हमला कर दिया, जिसका भारत ने करारा जवाब दिया और उसे पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। चीन अपने पड़ोस में आक्रामक विस्तारवाद को अंजाम देता आया है, और अब वह आर्थिक विस्तारवाद की नीति को अपना रहा है। आर्थिक सहायता और ऋण के नाम पर वह छोटे-छोटे देशों में प्रवेश करता है तथा धीरे-धीरे उनकी अर्थव्यवस्था पर कब्जा कर लेता है! इसका ताजा उदाहरण है श्रीलंका और हिंद महासागर व अफ्रीका स्थित देश! पाकिस्तान भी चीन के इस कर्ज जाल में फंस चुका है, जिसका वहां विरोध भी हो रहा है। भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आधारभूत ढांचे का निर्माण करने के अलावा सीमा पर पर्याप्त सैनिकों व लड़ाकू विमानों की तैनाती की है, जिनका प्रदर्शन दोकलाम और लद्दाख की गलवान घाटी में दुनिया ने देखा है। भारत की सैन्य शक्ति में आधुनिक मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के आ जाने से चीन अच्छी तरह से समझ गया है कि इस क्षेत्र में उसने सैनिक संघर्ष शुरू किया, तो भारत उसकी सी पैक या बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव के लिए तैयार आधारभूत ढांचे को अपनी मिसाइलों से बर्बाद कर देगा! उसे समझ में आ गया है कि भारत अब 1962 वाला भारत नहीं रहा, बल्कि शक्तिशाली देश बन गया है। वस्तुतः भारत ने वह कहावत सिद्ध कर दी है कि युद्ध की तैयारी से ही शांति की गारंटी हो सकती है!

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में प्रयोग किये सभी निजी हल्के वाहन

एवं भारी वाहनों के वाहन स्वामी किराये-भाड़े के भुगतान हेतु बैंक खाते की पासबुक या कैंसिल चेक की छायाप्रति तथा लागबुक 20 जुलाई तक करें जमा अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हर्षदेव पाण्डेय ने बताया है कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में प्रयोग किये सभी निजी हल्के एवं भारी वाहनों के वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि उनके किराये-भाड़े का भुगतान उनके बैंक खाते में ई-पेमेंट के माध्यम से किया जाना है, जिनके वाहन उक्त निर्वाचन में प्रयोग किये गये है, वे अपने (वाहन स्वामी स्वयं के) बैंक खाते की पासबुक या कैंसिल चेक की छायाप्रति तथा लागबुक (वाहन में लिए गये ईधन एवं तय की गयी दूरी के अंकन के साथ) भारी वाहनों के अवमुक्ति हेतु सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय (आर0टी0ओ0 आफिस) में तथा हल्के वाहनों के अवमुक्ति हेतु नाजिर कलेक्टेट्ट, प्रयागराज के कार्यालय में अन्तिम तिथि दिनांक 20 जुलाई, 2022 तक अनिवार्य रूप से जमा कर दें, अन्यथा उनके किराये-भाड़े का भुगतान किया जाना सम्भव नहीं हो पायेगा और इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी वाहन स्वामी की होगी।

मण्डलीय सांख्यिकी अधिकारी की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में क्रॉप-कटिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। राजस्व परिषद एवं जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में आज मंडलीय सांख्यिकी अधिकारी एस0 पी0 नैन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में खरीफ 22-23 में होने वाली क्रॉप कटिंग प्रयोगों के अन्तर्गत सरकार के निर्देशों के क्रम में सभी सम्बन्धित अधिकारियों के द्वारा शत-प्रतिशत क्रॉप कटिंग स्मार्ट फोन के माध्यम से सीसीई एग्री एप के द्वारा सुनिश्चित किया जायें। मण्डलीय सांख्यिकी अधिकारी द्वारा टीआरएस योजना बाजार भाव के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा टीआरएस की पड़ताल

जनपदीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। मण्डलीय सांख्यिकी अधिकारी द्वारा जनपद की तहसीलों से आये समस्त राजस्व निरीक्षकों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत होने वाली क्रॉप कटिंग के सम्बन्ध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंनें बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भारत सरकार की एक महत्वकांक्षी योजना है, जिसके अंतर्गत होने वाली क्रॉप कटिंग के द्वारा ही कृषकों को होने वाली क्षतिपूर्ति का अनुमान लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत समाप्त होने के तुरन्त बाद 25 प्रतिशत तालिकाएं भूलेख कार्यालय को उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया गया ताकि जनपद का त्वरित अनुमान समय से कृषि निदेशालय प्रेषित किया जा सकें। इस प्रशिक्षण में राजस्व निरीक्षक भूलेख, अपर सांख्यिकी अधिकारी डा0 अलका चौहान, एन0एन0एस0 से वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी विवेकानन्द, समस्त राजस्व निरीक्षकों, कम्प्यूटर ऑपरेटर अनुराग गौड़ एवं बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मैसर्स लक्सर इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड में कार्यरत श्रमिक वर्ग के मध्य आयोजित किया विधिक साक्षरता शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा श्री अवनीश सक्सेना, जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर के दिशा-निर्देशन में तथा श्रीमती शिवानी त्यागी, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतबुद्धनगर की अध्यक्षता में आज दिनांक 15.07.2022 को समय 12ः30 बजे से मैसर्स लक्सर इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड, फेस-2, नोएडा में कार्यरत श्रमिक वर्ग के मध्य विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सचिव श्रीमती शिवानी त्यागी द्वारा बताया गया कि बाल श्रम/बाल-मजदूरी की समस्या और उससे निजात दिलाने हेतु सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन किया गया है। शिविर में आये हुये श्रमिकों को किसी भी प्रकार की बाल श्रम करने तथा कराने से विरत रहने तथा रोकने हेतु जागरुक किया गया। शिविर में श्रमिक व कारखानों के संदर्भ में अधिनियमित कानूनों यथा औद्योगिक विवाद अधिनियम, ट्रेड यूनियन अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, समान कार्य हेतु समान वेतन आदि विषयों पर

विस्तृत रुप से प्रकाश डाला गया। शिविर में श्रम विभाग की ओर से उपस्थित श्रम पर्वतन अधिकारी श्री अनुज वर्मा द्वारा उ0प्र0 सनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों के लिये संचालित योजनाओं जैसे श्रवण कुमार श्रमिक परिवार धार्मिक पर्यटन यात्रा योजना, गनेश शकर विद्यार्थी पुरस्कार राशि योजना, राजा हरिशचन्द्र मृतक आश्रित सहायता योजना, डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक शिक्षा सहायता योजना, महादेवी वर्मा श्रमिक पुस्तक क्रय धन योजना, आदि के बारे में विस्तृत जानकरी उपलब्ध कराई गई तथा लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। शिविर में श्रीमती शिवानी त्यागी, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर, श्री अनुज वर्मा, श्रम पर्वतन अधिकारी, गौतमबुद्धनगर श्री मदन सिंह, सीनियर मैनेजर, श्री जॉनसन पी थामस, प्लांट हेड, मैसर्स लक्सर इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड एवं अधिक संख्या में पुरुष एवं महिला श्रमिकगण उपस्थित रहे।

फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल में घरों में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाया गया

ब्रिटेन। ब्रिटेन में पहली बार देश के कई भागों में सोमवार और मंगलवार को भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की गई है। इसके कारण रेड अलर्ट जारी किया गया है। तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने की आशंका है, जिसके कारण राष्ट्रीय आपातकाल लगाना पड़ सकता है। जंगलों में लगी आग में घिरे फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल में शुक्रवार को सैकड़ों लोगों को बचाया गया। अधिकारियों ने अगले कुछ दिन में यूरोप में भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की है। पुर्तगाल में 7 से 13 जुलाई तक भीषण गर्मी के कारण 238 लोगों की मौत हो चुकी है। बृहस्पतिवार को यहां तापमान 47 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था, जो सर्वकालिक गर्म से कुछ ही कम है। फ्रांस में मंगलवार से एक हजार से ज्यादा अगिन्शमन कर्मी पानी की फुहारें फेंकने वाले हवाई जहाजों और अन्य उपकरणों की मदद से जंगलों की आग पर काबू पाने में जुटे हैं, लेकिन भीषण गर्मी और तेज गर्म हवाओं के कारण नाकाम रहे हैं। यहां अब तक 11,300 लोगों को जंगल की आग से बचाया जा चुका है। पुर्तगाल में तापमान कुछ नीचे आया है, लेकिन ज्यादातर जगह अब भी 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना है। इसके कारण पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। यहां अगिन्शमन कर्मी 13 जगह जंगल की आग का सामना कर रहे हैं। उधर, स्पेन में पर्यावरण मंत्रालय ने बताया कि वह 17 स्थानों पर जंगलों में लगी आग से जूझ रहा है। अधिकारियों को लोगों की चिंता है, क्योंकि कोविड महामारी के कारण स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही खराब स्थिति में पहुंच चुकी हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन का कहना है, भीषण गर्मी के कारण विशेषकर शहरों में प्रदूषण बढ़ेगा और वायु गुणवत्ता खराब होगी। पहली बार ब्रिटेन में भी जारी की गई भीषण गर्मी की चेतावनी ब्रिटेन में पहली बार देश के कई भागों में सोमवार और मंगलवार को भीषण गर्मी की चेतावनी जारी की गई है। इसके कारण रेड अलर्ट जारी किया गया है। तापमान रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने की आशंका है, जिसके कारण राष्ट्रीय आपातकाल लगाना पड़ सकता है।

नियम विरूद्ध बन रहे आवासीय भवन गिराने, नोटिस तक सीमित रहा नगर निगम

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। नगर निगम सतना के अंदर कई ऐसे नामचीन अधिकारी हैं जिनके लिए शासन के नियम कानून कोई मायने नहीं रखते हैं। शहर के अंदर कई ऐसे आवासीय भवन बन रहे हैं जो नियम विरूद्ध तरीके से निर्माण किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा उक्त मामलों में नोटिस तो दी जाती है लेकिन फिर कार्रवाई व पालन कराना भूल जाते हैं। ऐसा ही एक मामला भरहुत नगर स्थित रैनबो हास्पिटल के सामने का आया है। जिसकी संचालिका प्रतिमा कुंभारे पति निशांत कुंभारे द्वारा आवासीय भवन के नाम नियम विरूद्ध तरीके से निर्माण किया जा रहा है। जिसके संबंध में नगर निगम द्वारा 5 अप्रैल 2022 को मानचित्र के अनुसार भवन न बनाये जाने की नोटिस जारी की गई। लेकिन नोटिस जारी करने के बाद नगर निगम के चिन्हित अधिकारी नोटिस का पालन नहीं करा पाये। सूत्र बताते हैं कि नगर निगम के चिन्हित अधिकारी नोटिस की आड़ में सिर्फ फील गुड करते हुए देखे गये। अब देखना यह है कि इस मामले मे आगामी दिनों नगर निगम अमले द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है। क्या इस मामले में नगर निगम आयुक्त संज्ञान लेगें। नोटिस के बाद भी जारी है निर्माण कार्य क्यो जानकारी के अनुसार तीन माह पूर्व नगर निगम नोटिस देकर रैनबो हास्पिटल संचालक से तीन दिवस के अंदर जबाव मागा था। लेकिन संचालक द्वारा न ही नोटिस का जबाव दिया गया और न ही निर्माण कार्य रोका गया। लगातार नोटिस के बाद भी धड़ल्ले से निर्माण कार्य जारी है। कुछ इस तरह के है नगर निगम के इन शातिर अधिकारियों की कार्रशैली। तो क्या पूरे शहर में चल रहा इस तरह का खेल जानकारों की मानें तो नगर निगम में आवासीय भवन को स्वीकृति देने व नियम विरूद्ध तरीके से चल रहे निर्माण के नाम पर चिन्हित अधिकारियों का खेल चल रहा है। इस खेल में नगर निगम के कई अधिकारी शामिल होने की खबर आ रही है। सूत्रों और जानकार बताते है कि पूरे 45 वाडी में इस तरह के सैकड़ों मामले में है जिनमें भी नगर निगम के इन्हीं अधिकारियों द्वारा नोटिस-नोटिस का खेल चल रहा है। सूत्रों की मानें तो इन मामलों में नगर निगम का एक वरिष्ठ चर्चित अधिकारी का पूरा खेल चल रहा है। जो पिछले कई वषी से नगर निगम में पदस्थ है।

लघु उद्योग भारती ने डिस्टल एजुकेशन के सहयोग से युवा कौशल विकास कार्यक्रम किया आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। उद्योगों की समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या आवश्यकतानुसार प्रशिक्षित कामगारों की उपलब्धता है। शिक्षण संस्थाओं से सीधे भर्ती किए गए युवाओं को प्रशिक्षित करने की लागत वहन करने के साथ ही शासन की नीतियों के अनुपालन की बाध्यता होती है इसके निदान के लिए सरकार की विभिनन योजनाएं हैं। लघु उद्योग भारती ने डिस्टल एजुकेशन के सहयोग से आज युवा कौशल विकास दिवस कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट के सभागार में किया, जिसमें जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एल0 वाई0 आईएएस मुख्य अतिथि तथा विशेष अतिथि लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन दादू एवं जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त अनिल कुमार आमंत्रित किए गए। सूक्ष्म और लघु उद्योग उद्योगों के हित में बनाई गई योजनाओं की जानकारी गौतम बुद्ध नगर जनपद उद्योग केंद्र के उपायुक्त अनिल कुमार द्वारा दी गई। जिलाधिकारी द्वारा अपने संबोधन में बताया कि कैसे सभी उद्यम गुलदस्ते के फूल की तरह है और गौतम बुद्ध नगर प्रमुख औद्योगिक नगरी के रूप में ना सिर्फ प्रदेश बल्कि विश्व पटल पर भी अपनी पहचान बना रहा है। आने वाले समय में यहां एयरपोर्ट के बनने के कारण और भी अवसर नए उद्योगों के लिए उपलब्ध होंगे इसलिए कौशल युक्त युवाओं की आवश्यकता और भी बढ़ेगी। सरकार की नीतियों का फायदा लेते हुए उद्योगों को चाहिए कि वह युवाओं को अपने यहां अप्रेंटिसशिप पॉलिसी के अंतर्गत प्रशिक्षित करें और प्रशिक्षण के बाद उनको अपने ही यहां समायोजित कर सकें। जिलाधिकारी द्वारा इस विषय में इंडिगो एयरलाइन का भी उदाहरण दिया। इस कार्यक्रम में डिस्टल एजुकेशन एंड टेकनेलॉजी के मैनेजिंग डायरेक्टर अर्जुन मिश्रा ने भी हिस्सा लिया और विस्तृत जानकारी नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम और फ्लेक्सी स्कीम के बारे में दी। इन योजनाओं के अंतर्गत युवाओं को बिना किसी उच्च शिक्षा के कारखानों में ही प्रशिक्षित किया जा सकता है और उन्हें एक निर्धारित समय के उपरांत आईटीआई सर्टिफिकेट और डिप्लोमा एनसीवीटी की ओर से दिया जा सकता है। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर गौतम बुद्ध नगर के उद्यमी पीके अग्रवाल जिनका पीपीएस इंटरनेशनल के नाम से रेलवे के पुर्जे बनाने का कार्य है उन्हें तथा सुशील कुमार बरनवाल को उनके स्टार्टअप के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती और स्वाबलंबी भारत अभियान के लगभग 100 सदस्यों ने हिस्सा लिया इसमें लघु उद्योग भारती के संभाग अध्यक्ष प्रेम सिंह, मंडल अध्यक्ष पवन सिंघल, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप मेहता, लघु उद्योग भारती जिला अध्यक्ष एलबी सिंह, मीडिया प्रभारी मंजुला मिश्रा, नोएडा इकाई के अध्यक्ष अमित गोयल, महासचिव सत्यवीर सिंह, ग्रेटर नोएडा इकाई के महासचिव संजय बत्रा, स्वाबलंबी भारत अभियान के समन्वयक रामेंद्र, सह समन्वयक सतपाल भाटी, महिला समन्वयक विदुषी उपाध्याय के साथ ही अन्य संगठनों के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ग्रेटर नोएडा इकाई के अध्यक्ष केपी सिंह ने द्वारा किया गया।

जनादेश प्राप्त नेता नही संजय राय बल्कि एक प्यादे है, छोटे मुँह बड़ी बात न करेंः- वीरेंद्र यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। जनपद सदस्य वीरेंद्र यादव ने मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी पर की गई टिप्पणी पर जमकर हमला बोला। वीरेंद्र यादव ने कहा कि व्यक्ति को अपनी हैसियत देखकर बोलना चाहिए कौन किसके ऊपर टिप्पणी करने योग्य है। साथ ही इस बात का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि अगर आसमान की तरफ मुँह करके थूकेंगे तो आसमान का कुछ न होगा बल्कि थूक अपने स्वयं के चेहरे पर पड़ेगा। संजय राय इस बार नगरीय निकाय में पार्षदी का चुनाव लड़कर देखते तो उन्हें यह पता चल जाता कि वे कितने पानी मे है। श्री यादव ने कहा कि आदरणीय विजय बाबु की कृपा से एकबार मंडी अध्यक्ष बने थे संजय राय इसके बाद एक प्यादे की तरह अपना वजूद तलास रहे है इसलिए उनके मुँह से मैहर के लोकप्रिय 4 बार के विधायक नारायण त्रिपाठी जी के खिलाफ टिप्पणी करना मात्र एक बचकानी हरकत से ज्यादा कुछ नही। संजय राय या तो विधायक जी पर टिप्पणी कर अपना वजूद बना रहे है या तो उन्हें विधायक जी की हैसियत का अंदाजा नही। उन्होंने ऐसे हास्यास्पद बयान दिए कि विधायक जी दल बदलू है अरे राय साहब विधायक जी ने दल बदल किया अपने क्षेत्र के विकास के लिए उनके लिए कोई दल कोई पार्टी अहमियत नही रखती वे तो जनता की सेवा उनके विकास के लिए समर्पित नेता है जिसका प्रमाण क्षेत्र की जनता ने चार चार विधायक बना के दिया आप भी कभी पार्षदी लड़ के देखिए। रही बात विंध्य की तो हम आपकी पीड़ा को समझते है आप की छटपटाहट क्यो है यह क्षेत्र की जनता भी समझती है विंध्य तो एकदिन बनेगा और जल्द ही बनेगा अभी तो ये अंगड़ाई है असली सीन जब आप देखेंगे तो सनन्‍ रह जाएंगे। नारायण त्रिपाठी किसी के टुकड़ों में पलने वाले नेता नही है अपने क्षेत्र की जनता जनार्दन के दिलो में राज करने वाले नेता है। आपने कहा कि नारायण की हवा निकल गयी इंतजार करिये जनादेश का जो गुब्बारे फूल रहे है फुस्स हो जाएंगे। आप सोचते है कि नारायण त्रिपाठी मेरे ऊपर टिप्पणी करदे तो मै नेता बन जाऊं कभी मेरे साथ मंच में जनता की अदालत में आइये आपकी इतनी उपलब्धियाँ गिना दूंगा की आप सपने में भी वीरेंद्र यादव को नही भूल पाएंगे।इसलिए आपको समझाइस है कि छोटे मुँह बड़ी बात नही करते।

सतना रेलवे स्टेशन भी बनेगा विश्वस्तरीय स्टेशन

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। सांसद श्री गणेश सिंह ने जारी एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रेरणा पर रेल मंत्रालय द्वारा देश में कमलापति रेलवे स्टेशन जो भोपाल में विश्व स्तरीय बनाया गया है उसी तर्ज पर अब सतना सहित पश्चिम मध्य रेलवे स्टेशन के 6 स्टेशनों का चयन किया गया है सतना रेलवे स्टेशन के चयन के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय रेलमंत्री श्री अश्वनी वैष्णवी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहां की सतना रेलवे स्टेशन जो कि सबसे अधिक रेलवे को आय देने वाला स्टेशन है इसे विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने के लिए मैं लगातार मांग कर रहा था आज भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है 500 करोड़ की लागत से स्टेशन में सभी सुविधाओं का विस्तार किया जायगा सांसद श्री सिंह ने जबलपुर पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तथा सभी अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

अवैध संबंध का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले गिरोह का पर्दाफाश महिला के साथ 4 अन्य गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। जिले से हनी ट्रैप की तर्ज पर एक बड़ा ही संगीन मामला सामने आया है. मामले में पुलिस ने महिला सहित उसके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया है. मध्य प्रदेश सतना जिले में एक बड़ा मामला सामने आया है. यहां एक महिला द्वारा लोगों को मोबाइल फोन के जरिए संपर्क बनाकर उसको अपने पास बुलाती और अश्लील वीडियो बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करती है. महिला सतना शहर के बाईपास डीलौरा संगम बेला रिसोर्ट के पास की निवासी है. इस महिला के साथ 4 लोग और भी शामिल हैं जो इसकी ब्लैक मेलिंग में मदद करते हैं. ऐसी ही एक घटना महिला ने शहर के निवासी संजय जैन के साथ घटित की फिर उसका वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगी. आरोपियों के खिलाफ मामला दर्जः महिला का नाम रजनी उर्फ रश्मि पटेल है, महिला ने पहले संजय जैन को अपने घर बुलाया उसके बाद उसके साथ अवैध संबंध बनाएं और उसका वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर संजय जैन को ब्लैकमेल किया. संजय जैन से 20 लाख रुपए की मांग की. संजय जैन ने बदनामी के डर से 20 लाख रुपये के चेक महिला को दे दिए. इसके बाद महिला ने 500000 बैंक से निकाल लिए. शेष बची राशि को बैंक से निकालने पर संजय जैन ने प्रतिबंध लगा दिया था. मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की. शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी थी.सभी आरोपियों से थाने में पूछताछ की गई. तब यह बात सामने आई कि, मोबाइल में वीडियो बनाकर महिला लोगों को ब्लैकमेल करती थी और उनसे पैसे ऐंठने में उसके 4 साथी मदद करते थे. बताया गया कि महिला का यह पेसा बन चुका था. काफी लंबे समय से महिलाएं ऐसा कार्य कर रही थी. इसके बाद आज पीडि़त की शिकायत पर महिला को पुलिस ने उसके चार साथियों के साथ गिरफ्तार किया गया. आरोपियों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर पुलिस ने आज सभी आरोपियों को न्यायालय पेश किया जहां से आरोपियों को पूछताछ के लिए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

पहले दिन ही ठप पड़ी यह नई फिल्म

नई दिल्ली । क्या चलेगा सचिवजी की 'जादूगर' का जादूमनोरंजन जगत में हर

पल कुछ ना कुछ नया होता ही रहता है। नई फिल्मों की रिलीज से लेकर सेलिब्रिटी अपडेट तक, ट्रेलर रिलीज हो या बॉक्स ऑफिस कलेक्शन फिल्म जगत में अक्सर हलचल देखने को मिलती रहती है। फिल्मी दुनिया की इन्हीं छोटी-बड़ी खबरों से रूबरू होने के लिए पढ़े मनोरंजन जगत की खबरों से जुड़ा यह लाइव अपडेट- मनोरंजन जगत में हर पल कुछ ना कुछ नया होता ही रहता है। नई फिल्मों की रिलीज से लेकर सेलिब्रिटी अपडेट तक, ट्रेलर रिलीज हो या बॉक्स ऑफिस कलेक्शन फिल्म जगत में अक्सर हलचल देखने को मिलती रहती है। फिल्मी दुनिया की इन्हीं छोटी-बड़ी खबरों से रूबरू होने के लिए पढ़े मनोरंजन जगत की खबरों से जुड़ा यह लाइव अपडेट ।

नई फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर निकला दम

नई दिल्ली । बॉक्स ऑफिस पर हर हफ्ते नई फिल्में रिलीज की जाती हैं। सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली ये दर्शकों को भरपूर मनोरंजन करती हैं। इन फिल्मों में से जहां कुछ दर्शकों को काफी पसंद आती हैं तो वहीं कुछ उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाती है। बीते शुक्रवार के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर फिर नई फिल्मों ने दस्तक दी है। वहीं, बीते दिनों से लगी फिल्में भी पर्दे पर अपनी जगह बनाने की कोशिश में लगी हुई है। इसी बीच बीते दिन यानी शुक्रवार को हुई फिल्मों के कारोबार के आंकड़े सामने आ चुके हैं। एक और जहां पुरानी फिल्में अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी साख बचाने में लगी है, तो वहीं हाल ही में रिलीज हुई फिल्मों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। आइए जानते हैं शुक्रवार को हुए फिल्म की कमाई के बारे में-बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पनन्नू एक बार फिर दर्शकों के बीच अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रही। लगभग 30 करोड़ के बजट से बनी इस फिल्म का कलेक्शन पहले दिन एक करोड़ का आंकड़ा छूता भी नहीं दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को हुई फिल्म की कमाई की बात करें तो शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन पूरे देश में करीब 80 लाख रुपये का कारोबार किया है। पहले दिन हुई फिल्म की कमाई देख यह कहना मुश्किल है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर पाएगी या नहीं बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों हिंदी फिल्मों का प्रदर्शन लगातार गिरता ही जा रहा है। बीते कई समय से साउथ की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बरकरार रखी हुई है। शायद यही वजह है कि साउथ फिल्मों द्वारा सेट किए गए स्तर तक पहुंचने के लिए हिंदी फिल्में जी जान से कोशिश कर रही है, लेकिन इसमें कामयाब नहीं हो पा रही है। इस शुक्रवार रिलीज हुए राजकुमार राव की फिल्म

हिट द फर्स्ट केस भी पहले दिन कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। राजकुमार राव की यह फिल्म इसी नाम की एक साउथ फिल्म का हिंदी रीमेक है, लेकिन फिल्म को दर्शकों की तरफ से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली है। फिल्म ने अपनी रिलीज के पहले दिन करीब 1.40 करोड़ रुपये की कमाई की है। बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन के निर्देशन में बनी फिल्म रॉकेट्रीःद नंबी इफेक्ट की रफ्तार भले ही बॉक्स ऑफिस पर धीमी रही, लेकिम पॉजिटिव माउथ ऑफ वर्ड के चलते फिल्म हर दिन आगे बढ़ती जा रही है। आर माधवन द्वारा निर्देशित, लिखित और अभिनीत यह फिल्म भारतीय वैज्ञानिक नंबी नारायणन के जीवन पर आधारित है। बीते कुछ दिनों से अच्छा प्रदर्शन कर रही इस फिल्म की कमाई में अब गिरावट आने लगी है। रिपोर्ट्स की माने तो सिनेमाघरों में अपना प्रदर्शन समाप्त करने से पहले फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कम से कम 40 करोड़ रुपये की कमाई करेगी। फिल्म थोरः लव एंड थंडर सिर्फ पांच दिनों में ही जुरासिक वर्ल्डः डोमिनियन के लाइफटाइम कलेक्शन को पार करने में कामयाब रहा। अब फिल्म जल्दी ही 100 करोड़ के क्लब में एंट्री कर सकती है। इसी बीच शुक्रवार को हुई फिल्म की कमाई की बात तो शुरुआती आंकड़ें के मुताबिक मार्वल फिल्म ने 9वें दिन दो से 2.50 करोड़ रुपये तक का कारोबार किया है। वहीं, इस कलेक्शन को जोड़कर फिल्म का कुल कलेक्श अब करीब 82 करोड़ रुपये हो गया है।

'बधाई दो' से भी कम रही राजकुमार की फिल्म की ओपनिंग, नौवीं फ्लॉप का इशारा

नई दिल्ली । फिल्म 'स्त्री' के बाद से एक हिट फिल्म की तलाश में रहे अभिनेता राजकुमार राव की नई फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' इसे बनाने वाली कंपनी टी सीरीज और दिल राजू प्रोडक्शंस के लिए नया सबक बनती दिख रही है। दक्षिण भारत की हिट फिल्मों के रीमेक में बढ़ती जा रही हिंदी फिल्म दर्शकों की अरुचि का ये फिल्म लिटमस टेस्ट साबित हो सकती है। हाल के दिनों में दक्षिण भारतीय फिल्मों की हिंदी में बनी रीमेक फिल्में लगातार फ्लॉप होती रही हैं। शाहिद कपूर की फिल्म 'जर्सी' और शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'निकम्मा' के बाद राजकुमार राव की फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' की उम्मीद से कम की ओपनिंग की चर्चा हिंदी फिल्म जगत में शुक्रवार दोपहर से ही होती रही। अगर ये फिल्म नहीं चली तो ये राजकुमार राव की लगातार नौवीं फ्लॉप फिल्म होगी। फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' को प्राइम वीडियो पर तेलुगू में अंग्रेजी सब टाइटल्स के साथ देख चुके दर्शकों ने इस फिल्म के शुक्रवार को रिलीज हुए हिंदी रीमेक से दूरी ही बनाए रखी। फिल्म के हिंदी रीमेक में हालांकि इसके निर्देशक शैलेश कोलानू ने काफी बदलाव किए हैं। मूल फिल्म में जहां ये फिल्म अनाथालय में पली दो बेटियों की आपसी ईर्ष्या के खतरनाक हद तक पहुंच जाने और फिर इसी के चलते हत्या हो जाने की कहानी दिखाई गई है, इसके हिंदी रीमेक में इस कहानी को समलैंगिकता की तरफ मोड़ दिया गया। हिंदी रीमेक में अब किसी का कत्ल भी नहीं होता है और यही इस फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी है। राजकुमार राव की बॉक्स ऑफिस पर रिलीज पिछली फिल्म 'बधाई दो' ने पहले दिन 1.65 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी, लेकिन फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' का कलेक्शन इससे भी नीचे आ गया

है। शुक्रवार की रात तक मिले आंकड़ों के मुताबिक फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' ने देश भर के सिनेमाघरों में करीब 1.40 करोड़ रुपये की कमाई की है। टी सीरीज और दिल राजू प्रोडक्शंस जैसी देश की दो दिग्गज कंपनियों का नाम जुड़ा होने और फिल्म के प्रचार पर रिलीज से पहले दिल खोलकर पैसा बहाए जाने के बावजूद फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' का पहले दिन दो करोड़ रुपये की भी ओपनिंग ना ले पाना अच्छा संकेत नहीं है। करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से बनी फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' के पहले दिन कम से कम तीन करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने की उम्मीद की जा रही थी। राजकुमार राव की पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'रुही' ने भी 3.06 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी। लेकिन कहानियों पर ध्यान न देने से राजकुमार राव की फिल्मों का तिलिस्म टूटता दिख रहा है। राजकुमार राव को आमतौर पर हल्की फुल्की कॉमेडी फिल्मों या सरवाइवल फिल्मों में ही पसंद किया गया है लेकिन वह खुद को लगातार ऐसी फिल्मों में डाल रहे हैं जहां उनसे दर्शकों की अपेक्षाएं बहुत ज्यादा बढ़ जाती हैं।

हॉलीवुड के सितारों पर चढ़ा हिंदी और संस्कृत में टैटू बनवाने का खुमार

नई दिल्ली । पुराने जमाने से हमारे यहां ऐसी बहुत सी चीजें चली आ रही हैं, जो आज के समय में फैशन का पर्दा ओढ़ चुकी हैं। जी हां, उन्हीं चीजों में से एक है बॉडी पर टैटू बनवाना। शरीर पर टैटू बनवाने का फैशन आज का नहीं है। बीते कई वर्षों से लोग अपने शरीर पर टैटू गुदवाते आ रहे हैं। शुरुआत में लोग पहचान के तौर पर शरीर पर टैटू बनवाते थे लेकिन अब लोग फैशन के लिए इन्हें बनवाते हैं। आपने अक्सर बॉलीवुड स्टार्स को अपनी बॉडी पर हिंदी में टैटू गुदवाते हुए देखा होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हॉलीवुड के भी ऐसे कई बड़े-बड़े स्टार्स हैं, जिन्होंने ऐसा करके भारतीयों का दिल जीता है। इस रिपोर्ट में हम आपको उन्हीं हॉलीवुड स्टार्स से मिलवाएंगे, जिन्होंने अपने शरीर पर टैटू बनवाए हैं और वो भी संस्कृत में अमेरिकी सिंगर कैटी पेरी की दमदार आवाज दुनियाभर में मशहूर है। लोग उनके बिंदास अंदाज के भी दीवाने हैं। कैटी पेरी जब भी स्टेज पर आती हैं तो धमाल कर देती हैं। अपनी आवाज के साथ-साथ दुनियाभर में अपने टैटू के लिए भी जानी जाती हैं। कम ही लोग जानते होंगे कि कैटी की बाजू पर एक टैटू है, जो अंग्रेजी में नहीं बल्कि संस्कृत में है। कैटी के हाथ पर 'अनुगाचति प्रवाह' का टैटू बना है, जिसका मतलब हिंदी में 'प्रवाह के साथ जाना' होता है। जानी-मानी हॉलीवुड पॉप सिंगर रिहाना ने वैसे तो अपने शरीर पर कई जगहों पर अलग-अलग टैटू बनवा रखे हैं। लेकिन उनके शरीर पर एक जगह ऐसी भी है, जहां उन्होंने भगवत गीता का एक श्लोक गुदवा रखा है। यह उनकी कमर पर लिखा हुआ है। अमेरिकन सिंगर और अभिनेत्री सेलेना गोमेज ने भी और सेलेब्स की तरह अपनी थाई पर 'ऊं' लिखवा रखा है। वह अक्सर बिकिनी पहने स्पॉट की जाती हैं, जिसमें उनका यह टैटू साफ नजर आता है। मरून फाइव बैंड के एडम लेविन ने अपने शरीर पर कई सारे टैटू बनवा रखे हैं, जिनमें से संस्कृत का एक शब्द तपस भी है। यह उनकी छाती पर लिखा हुआ है। हिंदी में 'तपस' का मतलब पैशन और आग होता है। एडम ने अपने टैटू के बारे में बात करते हुए कहा था कि 'यह मुझे एक ऐसी चीज से जोड़े रखता है, जिसे मेरी जिंदगी बदली।' टीवी सीरियल हैना मौनटैना से सबके बीच प्रसिद्ध हुई अमेरिकी सिंगर और सॉन्ग राइटर माइली साइरस ने भी अपने बाएं हाथ पर ऊं का टैटू करवाया है। यह लिखवाने वाली वह पहली नहीं हैं, उनसे पहले भी कई सितारे ऐसा कर चुके हैं। इसे देखकर तो यही लगता है कि हॉलीवुड स्टार्स को ऊं से कुछ ज्यादा ही लगाव है। बच्चों के बीच मशहूर हुए स्कूल ड्रामा 'हाई स्कूल म्यूजिकल' की स्टार वनीसा ने अपने दोनों हाथों पर ऊं लिखवा रखा है। आप तस्वीर में देख सकते हैं कि उन्होंने कितने स्टाइलिश तरीके से भगवान शिव के चिन्ह माने जाने वाले ओम को अपने हाथों पर लिखवा रखा है। अमेरिकन एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर ब्रिटनी सने ने अपनी हाथ की कलाई पर 'अभय' लिखवा रखा है। अभय का मतलब हम सभी को पता ही होगा। इसका मतलब 'निडर' होता है। हॉलीवुड स्टार जेसिका अल्बा ने अपने शरीर पर 4 टैटू करवा रखे हैं, जिनमें से एक पद्मा शब्द भी है। यह उनके दाएं हाथ पर लिखा हुआ है। हॉलीवुड की बेस्ट अदाकाराओं में से एक अभिनेत्री एंजलिना जोली भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अभिनेत्री ने अपनी कमर पर एक बुद्धिस्ट मंत्र गुदवा रखा है, जो उन्होंने अपने गोद लिए हुए बेटे मैडॉक्स को डेडिकेट किया था। इसका हिंदी में मतलब होता है,'आपके दुश्मन आपसे बहुत दूर भाग जाएं। यदि आप धन-दौलत कमाते हैं, तो वो हमेशा आपके पास रहे। आपकी खूबसूरती किसी अप्सरा जैसी होगी। आप जहां कहीं भी जाएं, वहीं बहुत कम लोग मौजूद हों। वह लोग आपकी सेवा करें, आपकी रक्षा करेंगे और आपको चारों तरफ से घेरे रहेंगे।' इंग्लैंड के महानतम फुटबॉल खिलाड.ियों में एक डेविड बेहकम को भी भारत और टैटू से कुछ ज्यादा ही लगाव है। उन्होंने अपनी पतने विक्टोरिया के लिए अपना प्यार जताते हुए उनका नाम हिंदी में अपने हाथ पर गुदवा रखा है। खास बात यह है कि इसमें विक्टोरिया की स्पेलिंग गलत लिखी हुई है लेकिन फुटबॉलर को ये ऐसे ही पसंद है। डेविड के इस टैटू को देख उनके भारतीय फैंस बहुत खुश होते हैं।

क्रिकेट पर बनी एक और फिल्म धड़ाम, तापसी की मेहनत का ये हुआ बॉक्स ऑफिस पर अंजाम

नई दिल्ली । पहले '83', फिर 'जर्सी' और अब 'शाबाश मिथु', हिंदी फिल्मों के दर्शकों को क्रिकेट पर बनी फिल्में बिल्कुल पसंद नहीं आ रहीं। इसकी एक वजह देश में होने लगे बेइंतहा क्रिकेट मैचों को तो माना जा ही रहा है, फिल्म ट्रेड में बहस इस बात पर भी होने लगी है कि क्या वाकई क्रिकेट अब दर्शकों का पसंदीदा खेल रह भी गया है या फिर ये सिर्फ ऑन लाइन बेटिंग का जरिया बन चुका है। फिल्म 'शाबाश मिथु' की पहले दिन की ओपनिंग के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि दर्शकों की पसंद लगातार बदल रही है और फिल्म को रिलीज करने वाली कंपनी वॉयकॉम18 जैसी दिग्गज कंपनी हो तो भी अगर फिल्म की मार्केटिंग व प्रचार ढंग से ना किया गया हो तो फिल्म देखने लोग पहुंचते नहीं हैं। फिल्म 'शाबाश मिथु' एक दक्षिण भारतीय पारंपरिक परिवार में पैदा हुई बेटी की रूढ.ियों से बगावत की कहानी है। फिल्म का प्रचार मिताली राज की बायोपिक के तौर पर किया गया। जिन मिताली राज का नाम ही इस फिल्म के चलते लोगों ने पहली बार सुना हो, वे भला ये फिल्म देखने कैसे और क्यों आएंगे, इस पर फिल्म बनाने वाली कंपनी ने शायद ही विचार किया हो। फिल्म एक भरतनाट्यम छात्रा के जीवन में संयोग से आए क्रिकेट का किस्सा भी हो सकती थी और भी तमाम सारे मिताली राज के जीवन के हैं, जिन्हें इस फिल्म के प्रचार के केंद्रबिंदु में रखा जा सकता था। लेकिन, वॉयकॉम 18 के सीओओ, तापसी पनन्नू और मिताली राज ने इंडिया टूर में कैमरे पूरे समय खुद पर ही बनाए रखे। खराब मार्केटिंग का शिकार होती दिख रही करीब 30 करोड़ रुपये में बनी फिल्म

'शाबाश मिथु' का पहले दिन का कलेक्शन एक करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंचता दिख रहा। शुक्रवार की रात मिले शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पूरे देश में सिर्फ 80 लाख रुपये बॉक्स ऑफिस पर कमाए हैं। इसके साथ ही रिलीज हुई फिल्म 'हिट द फर्स्ट केस' का कलेक्शन इससे थोड़ा बेहतर और करीब 1.40 करोड़ रुपये रहा है। दोनों फिल्मों को मिली बेहद कमजोर ओपनिंग के चलते इन दोनों फिल्मों का बॉक्स ऑफिस भविष्य अभी से धुंधला दिखने लगा है। तापसी पनन्नू फिल्म 'शाबाश मिथु' की नायिका हैं और इसमें कोई दूसरा दमदार कलाकार विजय राज के सिवा है नहीं। और, तापसी पनन्नू की पिछली पांच फिल्में लगातार ओटीटी पर रिलीज होने से उनके प्रशंसक भी घर बैठे उन्हें देखने के आदी हो चुके हैं। क्रिकेट के शौकीनों ने थिएटर का रास्ता नहीं पकड़ा और तापसी पनन्नू के प्रशंसकों को इस फिल्म के ओटीटी पर आने का इंतजार है। फिल्म 'शाबाश मिथु' के बॉक्स ऑफिस भविष्य की बस यही कहानी बनती दिख रही है। तापसी की पिछली थिएटर रिलीज फिल्म 'थप्पड़' रही थी जिसे पहले दिन 2.89 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली थी।

मुंबई हमले से मुजफ्फरनगर में फैले अपराध तक

नई दिल्ली । ऐसी सच्ची कहानियों पर आधारित हैं ये वेब सीरीज मनोरंजन की दुनिया में सच्ची घटनाओं पर फिल्में या सीरीज बनना कोई नई बात नहीं है। कई साल से इसपर काम हो रहा है। हिंदी सिनेमा में इनपर तमाम फिल्में बच चुकी हैं। लेकिन हर बार ये फिल्में और सीरीज खूब पसंद की जाती हैं। बॉलीवुड में कई बड़े घोटालों और अपराध के घटनाक्रम इतने बेहतरीन तरीके से दिखाए गए हैं कि आम आदमी इनसे आसानी से कनेक्ट हो जाता है। फिल्मों के अलावा कई वेब सीरीज में भी सच्चाई से रूबरू कराने की कोशिश की गई है। यदि आप भी सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्में और सीरीज देखने के शौकीन हैं तो आज हम आपको ओटीटी पर मौजूद कुछ बेहतरीन वेब सीरीज के बारे में बताने जा रहे हैं। ये वेब सीरीज साल 2008 में मुंबई में हुए हमलों की वास्तविक सच्चाई बताती है। बॉम्बे जनरल अस्पताल के कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियों की पड़ताल और कैसे एक पत्रकार उस मनहूस दिन पर होने वाली सभी घटनाओं को रिपोर्ट करने

की कोशिश करता है। इस फिल्म में मोहित रैना और कोंकणा सेन शर्मा भी हैं। हर्षद मेहता के जीवन पर आधारित वेब सीरीज स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी को रिलीज के साथ ही जबरदस्त सफलता मिली थी। इस सीरीज में अभिनेता प्रतीक गांधी मुख्य किरदार में नजर आए हैं। सीरीज में एक आम गुजराती लड़के का शेयर मार्केट का शहंशाह बनने का असली सफर दिखाया गया है। इस वेब सीरीज को सोनी लिव पर देख सकते हैं। ये सीरीज दिल्ली के मशहूर निभन्या गैंगरेप केस पर बनी है। शेफाली शाह इसमें पुलिस अफसर के रोल में हैं। उनके अलावा सीरीज में आदिल हुसैन, राजेश तैलंग और रसिका दुग्गल हैं। क्राइम बेस्ड ये सीरीज आपको झकझोर कर रख देगी। इस सीरीज को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। झारखंड में ऑन लाइन फ्रॉड और फिशिंग की सच्ची घटनाओं पर बेस्ड इस सीरीज को लोगों ने खूब पसंद किया था। इस सीरीज में अनजान लोगों को कॉल कर धोखे से अकाउंट डिटेल्स हासिल कर उनके अकाउंट से पैसे अपने अकाउंट में ट्रांसफर करने की घटना को दिखाया गया है। इस सीरीज को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। मोहित रैना की वेब सीरीज भौकाल अपने नाम की तरह बहुत भौकाली है। क्राइम और एक्शन थ्रिलर से भरपूर इस सीरीज में मोहित रैना एसपी सिकेरा के किरदार में हैं। सीरीज की कहानी मुजफ्फरनगर में फैले अपराध और उस अपराध को खत्म करने वाले आईपीएस नवनीत सिकेरा पर आधारित है। इस वेब सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफार्म एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं।

सुष और ललित ने बदले ट्विटर यूजर्स के जज्बात

नई दिल्ली । मीम्स शेयर कर बोले- रूप की रानी, चोरों का राजासुष्मिता सेन और ललित मोदी की रिलेशनशिप की खबर सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर मीम्स का सैलाब आ गया है। लोग तरह-तरह के मीम्स बनाकर वायरल कर रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन और ललित मोदी के रिश्ते की खबर सुनकर हर कोई हैरान है। जब से ललित मोदी ने अभिनेत्री के साथ अपने अफेयर की खबर बताई है, तभी से सोशल मीडिया फैंस के फनी जोक्स की बाढ़ आ गई है। कपल की तस्वीरों के साथ ही उन पर बने मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे हैं। कुछ मीम्स तो ऐसे है, जिन्हें पढ़कर आप भी हंसते-

हंसते लोटपोट हो जाएंगे। ललित मोदी ने 14 जुलाई को ट्विटर पर सुष्मिता के साथ अपनी शेयर कर दोनों के रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया था। तभी से सोशल मीडिया पर दोनों के रिश्ते को लेकर खूब मीम्स वायरल हो रहे हैं। कुछ लोग तो दोनों को साथ देखकर 'रूप की रानी, चोरों का राजा' कह रहे हैं। तो पढ.िए उन पर बनाए गए ये मजेदार मीम्स प्रीति जिंटा, जूही चावला ने घ्ह्रथ् की सिर्फ एक टीम खरीदी थी, मोहतरमा ने तो घ्ह्रथ् का फाउंडर मिस इंडियाः मिसिंग इंडिया, मिस्ट्री ऑफ इंडिया एक ने रोहमन शॉल की फोटो लगाकर लिखा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

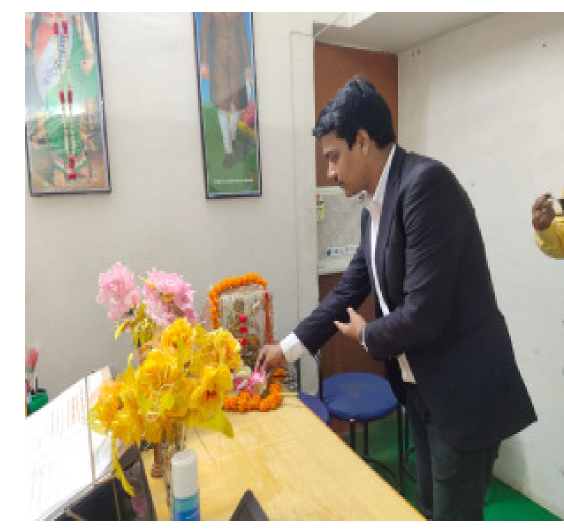

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

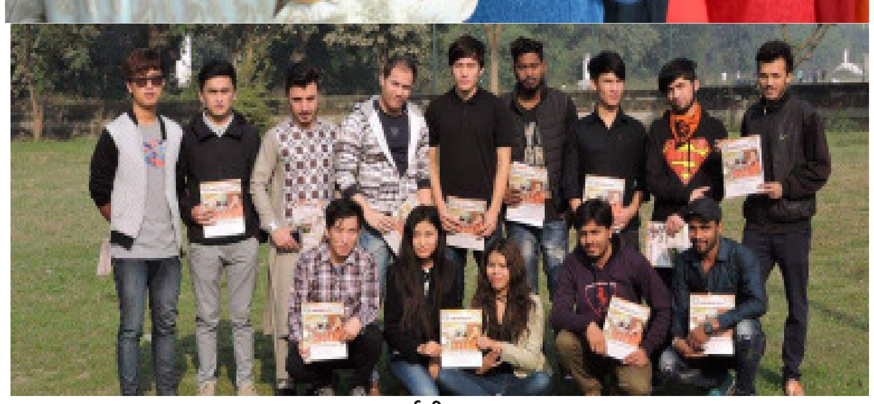

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274